PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 269 ● भिलाई, बुधवार 06 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

भारत-चीन संबंधों को नई ऊंचाई देगा शुरू होने वाला व्यापार

नई दिल्ली। पिथौरागढ़ के लिपुलेख दर्रे से इस जून में भारत-चीन के बीच व्यापार शुरू होने की उम्मीद है। सीमा के आसपास बसे उत्तराखंड और तिब्बत के स्थानीय निवासियों को अच्छा आर्थिक लाभ मिलेगा। व्यापार की शुरुआत होने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को एक नई ऊर्जा मिलेगी। यही कारण है कि इस व्यापार को लेकर दोनों देश बहुत उत्साहित हैं। भारत-चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से लंबे समय से व्यापार होता रहा है, लेकिन कोरोना काल और भारत-चीन के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच इसे बंद कर दिया गया था। लगभग छह वर्ष बाद व्यापार एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और चीन दोनों ही देश आपसी संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। लिपुलेख व्यापार इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। मौद्रिक मूल्यों में यह व्यापार बहुत बड़ा नहीं है।

जालौन में भीषण सड़क हादसा छह की मौत

जालौन। जनपद के कालपी कोतवाली क्षेत्र में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जोल्हुपुर मोड़ के पास हुआ, जहां अयोध्या से उरई लौट रही एक कार चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन से जा भिड़ी। मिली जानकारी के अनुसार, ललितपुर जनपद के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी अपने परिजनों के साथ अयोध्या दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार से वापस लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जैसे ही उनकी कार कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर मोड़ के पास पहुंची, चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सामने चल रहे वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

दो बाइकों की भिड़ंत के बाद मदद करने पहुंचे लोगों को कार ने कुचला

अंबेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12 बजे दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार लोग घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग उनकी मदद करने के लिए पहुंचे। जिनमें लालचंद्र पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन जलालपुर, उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा कटका, कैफी पुत्र हसन मोहसिन निवासी लोरपुर ताजन, राजू पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर सम्मनपुर सहित सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी आदित्य व दिव्यांशु दोनों सगे भाइयों की भी घटना में मौत हो गई।

बंगाल में अब ममता बनर्जी ने छेड़ी नई रार, ऐसा देश में पहली बार

ममता बैनर्जी बोले-न जाऊंगी लोकभवन,न ही दूंगी इस्तीफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के बाद नई रार छेड़ दी है। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा है कि वह लोकभवन नहीं जाएंगी और न ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगी। उन्होंने कहा कि चुनावों में उनकी नैतिक तौर पर जीत हुई है। उनके इस बयान के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी गलियारों में नई चर्चा छिड़ गई है कि वह लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं देंगी या फिर मुख्यमंत्री पद से ही इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने अपने बयान से भी यह संदेह पैदा किया है। जब उनसे पूछा गया कि इस्तीफा कब दे रही हैं तो उन्होंने तपाक से कहा, मैं लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं, मैं राजभवन नहीं जाऊंगी... इसका सवाल ही नहीं उठता। नहीं। अब, मैं यह भी कहना चाहती हूं कि हम चुनाव नहीं हारे हैं। यह हमें हराने की उनकी कोशिश है। आधिकारिक तौर पर, चुनाव आयोग के जरिए, वे हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर हम चुनाव जीत गए हैं। ममता ने दावा किया कि यह चुनाव परिणाम जनता का वास्तविक जनादेश नहीं, बल्कि एक साजिश का नतीजा है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि इस लड़ाई में उनके साथ इंडिया अलायंस के भी साथी हैं। उन्होंने कहा, सोनिया

जी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने मुझे फोन किया। इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगियों ने मुझसे कहा कि वे पूरी तरह से और बिल्कुल मेरे साथ हैं। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में हमारी एकजुटता और मज़बूत होगी। ममता बनर्जी ने आगे कहा, अखिलेश यादव ने मुझसे पूछा कि क्या वह आज ही आ सकते हैं, लेकिन मैंने उनसे कल आने को कहा है। तो, वह कल आएंगे। एक-एक करके सब आएंगे। तृणमूल नेता ने कहा, मेरा लक्ष्य बहुत साफ है। मैं इंडिया टीम को मज़बूत करूंगी, ठीक एक आम इंसान की तरह। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, इसलिए मैं एक आम नागरिक हूं। तो, आप मुझसे यह नहीं कह सकते कि मैं आपकी कुर्सी का इस्तेमाल कर रही हूं। अब मैं एक आजाद पंछी हूं। मैंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों की सेवा में लगा दी, इन 15 सालों में भी मैंने पेंशन का एक पैसा भी नहीं निकाला है। मैं सैलरी का भी एक पैसा नहीं ले रही हूं। लेकिन अब, मैं एक आजाद पंछी हूं। इसलिए, मुझे कुछ काम करना है, और मैं उसे कर लूंगी। बता दें कि देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई मुख्यमंत्री विधानसभा चुनावों में हार के बाद अपने पद से इस्तीफा देने से ही इनकार कर रहा है।

देश के इतिहास में यह पहला मौका

बता दें कि देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई मुख्यमंत्री विधानसभा चुनावों में हार के बाद अपने पद से इस्तीफा देने से ही इनकार कर रहा है। चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी पार्टी चुनाव हारी नहीं है बल्कि हराई गई है। उन्होंने कहा, हम हारे नहीं बल्कि हमें हराया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि ये लड़ाई भाजपा से नहीं थी बल्कि चुनाव आयोग से थी। ममता ने ये भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के इस खेल में चुनाव आयोग ही सबसे बड़ा विलेन है, जिसने एकतरफा काम किया। उन्होंने कहा कि ये बांग्ला का काला इतिहास है। इसके साथ ही टीएमसी चीफ ने कहा कि हमारी लड़ाई जारी रहेगी लेकिन उन्होंने अभी अपनी रणनीति का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि टीएमसी दफ्तर को घेरने और उस पर कब्जा करने की कोशिश की गई है। उन्होंने मतगणना केंद्र पर मारपीट करने के भी आरोप लगाए और कहा कि उन्हें काउंटिंग सेंटर में घुसने नहीं दिया गया।

जलगांव में शरद पवार को बड़ा झटका!

भुसावल नगराध्यक्ष गायत्री भंगाले की कुर्सी छिनी.....

नई दिल्ली। महाराष्ट्र जलगांव जिले के भुसावल से बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है। भुसावल नगरपरिषद की नगराध्यक्ष गायत्री भंगाले को बड़ा झटका लगा है। राज्य सरकार ने उनको नगरसेवक और नगराध्यक्ष पद से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई उनके जाति प्रमाणपत्र को अवैध ठहराए जाने के बाद की गई है। इसके साथ ही भुसावल नगराध्यक्ष पद अब आधिकारिक रूप से रिक्त घोषित कर दिया गया है। गायत्री भंगाले ने हाल ही में हुए नगरपरिषद चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के टिकट पर चुनाव लड़ते हुए राज्य के वस्त्रोद्योग

मंत्री संजय सावकारे की पत्नी रजनी सावकारे को पराजित किया था। उनकी इस जीत को स्थानीय राजनीति में बड़ा उलटफेर माना जा रहा था। हालांकि, चुनाव के बाद भाजपा और रजनी सावकारे की ओर से आरोप लगाया गया था।

मौसम ने ली करवट

समूचे छत्तीसगढ़ में तेज आंधी के साथ जमकर हुई बारिश,पेड़ गिरने से एनएच पर लगा लंबा जाम....

रायपुर। संवाददाता

मंगलवार 5 मई को शाम होते ही पूरे छत्तीसगढ़ में एक साथ मौसम ने करवट बदली। पेंड्रा रोड से शुरू हुई बारिश जल्द ही प्रदेशभर में तेजी पकड़ने लगी। बिलासपुर-रायपुर से होते हुए धमतरी कांकेर में भी तेज बारिश हुई। केर के पास आधी-तूफान इतनी तेजी से आई कि, एनएच 30 पर कहर बरपा गई। चारामा के पास नेशनल हाईवे पर बड़ा पेड़ गिरने से लगा लम्बा जाम लग गया। लगभग सवा छह बजे बिलासपुर में मौसम का मिजाज बिगड़ा। तेज अंधड़ के साथ बारिश शुरू हुई। तेज बारिश के चलते बिलासपुर शहर में यातायात लगभग थम सा गया। वहीं पेंड्रा

जिले में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को मंगलवार को मौसम के अचानक बदले मिजाज ने बड़ी राहत दी। दोपहर बाद तेज आंधी-तूफान के साथ शुरू हुई बारिश ने पेंड्रा सहित आसपास के इलाकों और अमरकंटक में जोरदार दस्तक दी। मूसलाधार बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई और वातावरण में ठंडक घुल गई। हालांकि, इस राहत भरे मौसम के साथ कई परेशानियां भी सामने आईं। तेज अंधड़ के कारण पेंड्रा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में अंधेरा छा गया। आंधी की तीव्रता इतनी अधिक रही कि जिले के कई हिस्सों में बड़े पेड़ और डालियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। स्थिति को सामान्य करने के लिए प्रशासन और बिजली विभाग की टीमें लगातार मौके पर काम कर रही हैं। इसके बावजूद तेज हवाओं और रुक-रुक कर हो रही बारिश के चलते जनजीवन अभी भी अस्त-व्यस्त बना हुआ है।

पुलिस ने चार को पकड़ा

पद्मश्री फूलबासन बाई यादव का दिनदहाड़े हुआ अपहरण

राजनांदगांव/ संवाददाता

पद्मश्री फूलबासन बाई यादव के अपहरण का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे जिले में सनसनी फैल गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अन्य पुलिस अधिकारी सुकुलदैहान चौकी पहुंचे और मामले की जांच कर रहे हैं। यह घटना राजनांदगांव जिले के सुकुलदैहान चौकी क्षेत्र की है। सुकुलदैहान निवासी समाजसेविका पद्मश्री फूलबासन बाई यादव अपने घर में थीं। इस दौरान बेमेतरा जिले के चार लोग उनके घर आए। इनमें दो महिला और दो पुरुष शामिल हैं,

जो उनके पूर्व परिचित थे। चारों ने पहले उनसे बातचीत की और फिर उन्हें अपनी कार में बैठाया। दिव्यांग से तस्वीर लेने की बात कहकर उन्हें जबरदस्ती कार में बैठाया गया। इसके बाद उन्हें पकड़कर मुंह में कपड़ा रखकर हाथ-पैर को पकड़कर जबरदस्ती ले जाया जा रहा था। अपहरणकर्ताओं का यह प्रयास सफल नहीं हो सका। शहर के चिखली चौकी के पास यातायात पुलिस जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान कुछ पुलिसकर्मियों ने फूलबासन बाई को कार में देखा। फूलबासन बाई ने पुलिसकर्मियों को देखकर हाथ हिलाया और मदद के लिए आवाज दी। एक यातायात पुलिसकर्मी ने उनकी आवाज सुनी, जिसके बाद अपहरण के पूरे मामले का खुलासा हुआ। यातायात पुलिस की सजगता से अपहरणकर्ताओं को तुरंत पकड़ा गया।

नदी में गिरी बेकाबू कार, शादी से लौट रहे 4 युवकों की मौत

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है. शादी कार्यक्रम से लौट रही कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी. चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना पांडातराई थाना क्षेत्र अंतर्गत गड़ाई गांव के पास फोक नदी के पुल पर हुआ है. जानकारी के मुताबिक, रायपुर के बिरगांव क्षेत्र के निवासी कुछ युवक पंडरिया में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे. शादी की रस्में पूरी होने के बाद वे अपनी कार से रायपुर लौट रहे थे. इस दौरान उनकी कार तेज रफ्तार में होने के कार गड़ई गांव के पास स्थित फोक नदी के पुल में अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई. कार में उस वक्त 6 लोग सवार थे।

कैबिनेट ने दी मंजूरी

कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर होगी 38..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को लेकर मंगलवार को अहम फैसला लिया। कैबिनेट ने स्पष्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने की मंजूरी दे दी। यह फैसला छह साल बाद लिया गया है, जब 2019 में इसे 31 से बढ़ाकर 33 किया गया था। सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद सुप्रीम कोर्ट को और मजबूत करना व न्याय प्रक्रिया को तेज करना है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से ज्यादा मामले

लंबित हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि फिलहाल अदालत में 33 न्यायाधीश और एक मुख्य न्यायाधीश हैं। संसद के आगामी सत्र में इस संबंध में एक विधेयक पेश किया जाएगा। विधेयक के पारित होने के बाद मुख्य न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के जजों की कुल संख्या 38 हो जाएगी। यह फैसला न्यायालय में लंबित मामलों के बोझ को कम करने और न्याय प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम 1956 में मूल रूप से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर 10 न्यायाधीशों का प्रावधान था। 1960 में इसे 13 और बाद में 17 किया गया। 1986 के संशोधन से संख्या 25 हो गई और 2009 में इसे 30 कर दिया गया। इस प्रस्ताव के बाद न्यायपालिका को मजबूत करने की दिशा में एक अहम उठाया गया है।

संवाद से समाधान

कमराखोल में मुख्यमंत्री साय ने दूर की बिजली बिल की चिंता

- बकाया बिल से घबराने की जरूरत नहीं, समाधान योजना से मिलेगी राहत' - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के मुखिया श्री विष्णुदेव साय का 4 मई को सुदूर वनांचल ग्राम कमराखोल का दौरा आमजन के लिए राहत और विश्वास का संदेश लेकर आया। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम पेड़ के नीचे आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को आत्मीयता से सुना और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह दृश्य शासन और जनता के बीच विश्वास के मजबूत रिश्ते का जीवंत उदाहरण बन गया। चौपाल के दौरान जब एक ग्रामीण ने बढ़ते बिजली बिल और बकाया राशि को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की, तो मुख्यमंत्री ने उसे बीच में ही आश्वस्त करते हुए कहा परेशान होने की जरूरत नहीं है, आपकी सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की बिजली बिल भुगतान समाधान योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है, जिसके तहत पुराने बकाया बिलों में व्यापक छूट

प्रदान की जा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि पंप धारकों को भी योजना का लाभ मिल रहा है, जबकि बीपीएल परिवारों के लिए विशेष रियायतों का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय की कार्यशैली केवल आश्वासन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने तत्काल कलेक्टर को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि कमराखोल सहित आसपास के गांवों के लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का समाधान उनके अपने गांव में ही हो सके।इस दौरान कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जानकारी दी कि जिले में अब तक 13 हजार से अधिक उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें कुल 11.75 करोड़ रुपये से अधिक की छूट प्रदान की जा चुकी है। कमराखोल की इस चौपाल ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब शासन का नेतृत्व सीधे जनता से संवाद करता है, तो जटिल समस्याओं का समाधान भी सरल हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की यह पहल इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल योजनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाने की प्रतिबद्धता का नाम है।

मुख्यमंत्री ने पीएम जनमन के हितग्राही को सौंपी खुशियों की चाबी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जारी राज्यव्यापी दौरे में आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम सरोधी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुभान सिंह मेरावी को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया। सुभान सिंह ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके गांव आकर उन्हें यह सौभाग्य देंगे। उनके लिए यह केवल घर नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत 3 एकड़ 2 डिसमिल भूमि मिली है, जिस पर खेती कर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। साथ ही उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता भी मिल रही है।

अपने लक्ष्य पर अडिग रहे और आगे बढ़ते रहें: कलेक्टर लंगेह

कलेक्टर ने कहा बेटियों ने बढ़ाया जिले का मान, मेरिट सूची में शामिल बेटियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

महासमुंद। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2026 के परिणाम में महासमुंद जिले की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में जिले की 8 छात्राओं तथा कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 4 छात्राओं ने प्रदेश की टॉप-टेन सूची में स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने छात्राओं और उनके पालकों को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कलेक्टर ने छात्राओं को गुलाब पुष्प, शॉल एवं स्मृति शील्ड भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही छात्राओं के अभिभावकों का भी सम्मान कर उनकी सकारात्मक भूमिका की प्रशंसा की। कलेक्टर लंगेह ने छात्राओं से आत्मीय बातचीत करते हुए कहा कि यह सफलता आपकी प्रतिभा, अनुशासन, कठिन परिश्रम और सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। छात्राओं की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, विद्यालय और शिक्षकों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने छात्राओं को भविष्य में भी इसी लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने बालिकाओं द्वारा पूछे गए सवालों का क्रमशः जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 12वीं के पश्चात स्नातक परीक्षा आवश्यक है। साथ -साथ अपने विशेष लक्ष्य की तैयारी करते रहे। छात्राओं ने सिविल सर्विसेस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं की टॉपर छात्राओं में एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुंदा की कु. संध्या नायक ने कहा कि वे सीजीपीएससी के माध्यम से प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती है। एकलव्य इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल बलोदा की कु. परीरानी प्रधान ने मेडिकल क्षेत्र में जाने की इच्छा जताई। एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुंदा की कु. रानू सिद्धीमयी साहू, कु. रेणुका प्रधान, कु. चाहत चौधरी, कु. तिषा साहू, कु. भारती चंद्रा एवं कु. लता चौधरी ने अलग-अलग क्षेत्रों में पढ़ाई कर कैरियर संवारना चाहती है। वहीं कक्षा 12वीं की टॉपर छात्राओं में के.जी. कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल सरायपाली की कु. शहनाज परवीन एवं के.पी.आई. हायर सेकेण्डरी स्कूल चट्टीगिरोला सरायपाली की कु. गीतिका प्रधान ने कहा कि वे आई.ए.एस. की तैयारी करना चाहती है। इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल बागबाहरा की कु. पीवीं देवांगन तथा एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुंदा की कु. दिव्या अग्रवाल ने भी अपने अनुभव बताएं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कुमारी भास्कर, जिला शिक्षा अधिकारी बी.एल. देवांगन, जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा, सहायक संचालक नंदकुमार सिन्हा, शिक्षा विभाग के शिक्षकगण एवं छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं हेतु जिले से कुल 12 हजार 851 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 12 हजार 663 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिले का कुल परीक्षा परिणाम 79.35 प्रतिशत रहा। इसी तरह कक्षा 12वीं में जिले से कुल 10 हजार 664 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, जिनमें 10 हजार 579 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिले का कुल परीक्षा परिणाम 80.89 प्रतिशत दर्ज किया गया।

शिक्षित बेरोजगार युवाओ के लिये सुनहरा अवसर
प्लेसमेंट कैम्प में 186 पदों पर होगी भर्ती

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा 6 मई 2026 को लाईवलीहुड कॉलेज सकरी में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जायेगा। रोजगार मेला में कुल 186 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी क्षेत्र के 5 नियोजक एक्स्ट्रा एडवर्ड स्कूल (पं. बंशराज तिवारी मल्टी पर्पस सोसायटी) बलौदाबाजार द्वारा शिक्षक के 10 पद, शैक्षणिक योग्यता स्नातकोत्तर अंग्रेजी माध्यम बीएड, उम्र 18 से 40 वर्ष, वेतन 12 हजार से 15 हजार रूपये देय होगा। स्काई ऑटो मोबाईल (नेक्सा) बलौदाबाजार द्वारा रिलेशनशिप(सेल्स) के 4 पद, रिसेप्शनिस्ट के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता 12वीं से स्नातक उत्तीर्ण, उम्र 18 से 25 वर्ष, वेतन 10 हजार रूपये देय होगा। कार्यक्षेत्र कसडोल, बलौदाबाजार होगा। अलर्ट सिक्योरिटी प्रा.लि. रायपुर द्वारा सहायक सुपरवाईजर के 20 पद, सिक्योरिटी सुपरवाईजर के 8 पद, टेंडर के 2 पद, मार्केटिंग के 8 पद, शैक्षणिक योग्यता 8वीं से उच्च एवं अनुभव 0 से 2वर्ष, उम्र 18 से 45 वर्ष, वेतन 10 हजार से 25 हजार रूपये पदानुसार देय होगा। कार्यक्षेत्र रायपुर होगा। सार्थक क्रिएटिव ऑर्गनाइजेशन रायपुर द्वारा मैनेजर के 5 पद, ट्रेनर के 15 पद, रिसेप्शनिस्ट के 5 पद, मोबाईलाइजर के 5 पद, प्रिंसिपल के 3 पद, टीचर के पद 10 पद, योग्यता स्नातक, डिप्लोमा, आईटीआई, पीएचडी, नेट एवं उच्च उत्तीर्ण एवं अनुभव 1 से 5 वर्ष, उम्र 18 से 40 वर्ष, वेतन 8 हजार से 17 हजार रूपये पदानुसार देय होगा। कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार, महासमुंद, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा होगा। स्वतंत्र माईक्रो फायनेंस प्रा.लि. रायपुर द्वारा फिल्ड ऑफिसर के 30 पद, कलेक्शन ऑफिसर के 10 पद, शैक्षणिक योग्यता 10 वीं से उच्च उत्तीर्ण, उम्र 18 से 30 वर्ष, वेतन 10 हजार से 12 हजार दो सौ रूपये पदानुसार देय होगा। कार्यक्षेत्र भाटापारा, अकलतरा, सिमगा, बेमेतरा, आरंग होगा। मेला में भाग लेने हेतु आवेदकों का जिला रोजगार कार्यालय में पंजीयन होना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक छत्तीसगढ़ रोजगार एप्प या वेबसाइट के माध्यम से अपना रोजगार पंजीयन एवं रोजगार हेतु आवेदन कर रोजगार मेला में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

धमतरी। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 रू. की बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धमतरी गोल बाजार के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने रातोंरात सिलेंडर के दाम बढ़ाकर आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि पहले भी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए थे और अब कमर्शियल सिलेंडर में 993 रू. की भारी वृद्धि कर लोगों को झटका दिया गया है। चंद्राकर ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें लगातार महंगाई बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही सरकार ने गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए जिससे आम आदमी की मुश्किलें और बढ़ेंगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस ली जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो कांग्रेस जनता के साथ मिलकर सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, पूर्व विधायक लेखराम साहू, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहन लालवानी, पूर्व पीसीसी सचिव आनंद पवार, जिला प्रभारी महामंत्री अरविंद दोषी, ब्लॉक अध्यक्ष गौतम वाधवानी, वरिष्ठ नेता गोपाल प्रसाद शर्मा, विजय प्रकाश जैन, हरमिंदर छाबड़ा, बृजेश जगताप, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कविता बाबर, सलीम रोकड़िया, सूर्यप्रभा चेटयार, जिला महामंत्री आलोक जाधव, विक्रांत पवार, आकाश गोलछा, उप नेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष ग्रामीण अंबिका सिन्हा, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शहर शास्त्री सोनवानी, पार्षद सुमन मेश्राम, रामनाथ यादव, राजेश पांडे, सलीम तिगाला, रफीक भाई इत्रवाले, समीना खान, दीपक साहू, चंदन रजक, योगेश्वर साहू, रजत सोनकर, सूरज पासवान, हेमंत सेन, अविनाश मराठे, आशुतोष खरे, राजू शेख, गोपाल कामड़े, गनेश्वरी कामड़े, मानिक साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण थानों में निरीक्षकों की नियुक्ति नहीं अधिकारी की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

धमतरी। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बारंबार अधिकारियों को यह निर्देशित कर रहे है कि वे आमजनों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनें और उनके त्वरित निराकरण के लिये कार्य करें। किसी भी हालत में आगंतुकों के साथ अभद्रता पूर्वक व्यवहार न किया जाये। लेकिन जिला पुलिस बल में पिछले कुछ माह से अधिकारी की कार्यशैली, लोगों को समझ नहीं आ रही है। आम नागरिकों की बात तो दूर जनप्रतिनिधियों से भी वे नहीं मिलते। और तो और सत्तापक्ष के एक दबंग नेता जब उनसे मिलने पहुंचे तो उन्हें घंटों प्रतीक्षा कराने के बाद भी नहीं मिले और जब वे अपने चेंबर से निकलकर निवास के लिये रवाना हुए, तब प्रतीक्षा में बैठे नेता ने उन्हें देखते ही नमस्ते किया। लेकिन उन्होंने नमस्ते का जवाब भी नहीं दिया और यह कहा कि मुझसे मिलना हो तो पहले समय लें, फिर मुझसे मुलाकात करें। इस तरह की कार्यशैली से जिले के नागरिकों में न सिर्फ नाराजगी देखी जा रही है बल्कि उनके अधीन कार्यरत कर्मचारियों में भी काफी रोष देखा जा रहा है। हद तो यह है कि महत्वपूर्ण थानों में निरीक्षकों के नियुक्ति न कर थाना एवं सायबर सेल में एसआई एवं एएसआई से कार्य ले रहे हैं जबकि पुलिस लाईन में अनेक निरीक्षक मौजूद हैं। जिले के सबसे बड़े थानों में शुमार सिटी कोतवाली, भखारा, सिविल लाईन, केरेगांव जैसे महत्वपूर्ण थानों के अलावा सायबर सेल जिसका उदघाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित तेज तर्रार गृहमंत्री विजय शर्मा ने किया था, परंतु वहां भी अब तक निरीक्षक स्तर के अधिकारी की नियुक्ति नहीं हुई है जिससे यहां एक भी अपराध पंजीबद्ध नहीं हुआ है। पुलिस विभाग में चुस्त-दुरूस्त व्यवस्था बनाये जाने को लेकर पिछले दिनों आरक्षकों को इधर से उधर किया गया है। इसी तरह भखारा थाना में पदस्थ थाना प्रभारी को अल्प समय में वहां से हटाकर अपने कार्यालय में बुला लिया गया है। यहां कायदे से निरीक्षक स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होना चाहिये। लेकिन यहां एक एएसआई स्तर के अधिकारी को प्रभार दे दिया गया है। यह क्षेत्र अवैध शराब, सट्टा, जुआ के नाम पर काफी बदनाम है। खबर के मुताबिक थाना क्षेत्र के एक गांव में तो खुलेआम अवैध शराब बनाई जाती है। इसी तरह अति महत्वपूर्ण थाना के रूप में चर्चित सिविल लाईन में भी एएसआई की पदस्थापना कर दी गई है। यह थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनेक ऐसे क्षेत्र आते हैं जिसमें गंगरेल प्रमुख है जहां प्रतिदिन वीवीआईपी, वीआईपी, मंत्री, राजधानी में बैठे अधिकारियों के साथ साथ पर्यटकों का भी भारी हुजूम का आना जाना होता है। इसी तरह जिले में होने वाले सायबर अपराध के लिये निरीक्षक स्तर के अधिकारी की मांग जागरूक नागरिकों ने की थी किंतु एएसआई को यहां का प्रभारी बनाया गया है। लोगों का कहना है कि सायबर अपराध घटने के पश्चात यहां तुरंत एफआईआर कर उसकी पतासाजी की जाती है। लेकिन यहां जब कभी भी ऐसा सायबर अपराध हुआ है तो उसके लिये थाना प्रभारी स्तर के अधिकारी की प्रतीक्षा की जाती है जिसमें विलंब के कारण सायबर अपराध में संलिप्त लोगों को बचने, भागने का मौका मिल जाता है। अधिकारी की उक्त कार्यशैली को लेकर जिलेवासी विचलित दिखाई दे रहे हैं। इनका कहना है कि आखिर धमतरी जिले को प्रयोगशाला बनाकर वे क्या करना चाहते हैं?

भंवरपुर में स्थानीय कक्षाओं का परीक्षाफल जारी किया

भंवरपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भंवरपुर में स्थानीय कक्षाओं का परीक्षाफल जारी किया गया। विद्यादायिनी मां सरस्वती प्रणव अक्षर ओम एवं भारत माता के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, अध्यक्ष बीपी देवांगन के अध्यक्षता में परीक्षा फल सुनाया गया। विद्यालय से मिली जानकारी अनुसार कक्षा अरुण से प्रथम स्थान नितेश यादव 98.8 प्रतिशत, द्वितीय स्थान काव्या राणा 98.5 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान श्रेया राय 98 प्रतिशत, कक्षा उदय से प्रथम स्थान रुद्रमा यादव 99.1 प्रतिशत, द्वितीय स्थान तेजल देवांगन 98.2 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान आकृति सिदार 97.7 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इसी तरह कक्षा प्रथम से प्रथम स्थान रितु राठिया एवं डिंकी यादव 99.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान प्रार्थना सिदार 99.2 प्रतिशत, तृतीय स्थान धावनी सिदार 98.8 प्रतिशत एवं कक्षा द्वितीय से प्रथम स्थान मयंक राणा 95.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान मोनिषा देवांगन 95 प्रतिशत, तृतीय स्थान पिंजल श्रीवास 94.3 प्रतिशत, वहीं कक्षा तृतीय से प्रथम स्थान खिलेश पटेल 98 प्रतिशत, द्वितीय स्थान ओम देवांगन 97.3 प्रतिशत, तृतीय स्थान अदिति देवांगन 96.7 प्रतिशत, कक्षा चतुर्थ से प्रथम स्थान मनीषा कालसा 95.4 प्रतिशत, द्वितीय स्थान महेंद्र चौहान92.5 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान मेहुल पटेल 91.3 प्रतिशत प्राप्त हुआ। जबकि कक्षा षष्ठ से प्रथम स्थान नीलम पटेल 96.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान सावित्री नायक 96.2 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान डुलेश्वरी पटेल 96 प्रतिशत। इसी क्रम में कक्षा सप्तम से प्रथम स्थान गुलशन देवांगन 99.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान प्रियंका दीवान 96.2 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान आरुष देवांगन 95.7 प्रतिशत, कक्षा नवम से प्रथम स्थान यशवंत पटेल 95 प्रतिशत, द्वितीय स्थान खेमराज दीवान 94 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान नीलम चौधरी 93.5 प्रतिशत तथा कक्षा एकादश से प्रथम स्थान पूर्वा साहू 98 प्रतिशत, द्वितीय स्थान जागृति साहू 96.8 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान विकास नायक 96 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय में अपना स्थान बनाया।

भाजपा का बंगाल पताका, विश्व गुरु बनने का सार्थक, पवित्र संदेश-विजय मोटवानी

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा 74 वर्ष पश्चात पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपने पूर्व की विश्व की गुरु की भूमिका को निर्वहन करने के लिए आगे बढ़ रहा है। बंगाल के जन मानस द्वारा भाजपा के कमल छाप पर वोट देकर यह बता दिया गया है कि बंगाल की परंपरा रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद के सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने की परंपरा तथा गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की राष्ट्रभक्ति की अलग जगाने का माध्यम को फिर से एक नए सिरे से परिभाषित किया गया है। आने वाले समय में पूरा देश हिंदुत्व के एक सूत्र में बंध कर मां भारती को परम वैभव के शिखर पर आसीन करेगा। इसके लिए भाजपा के कोटि.कोटि कार्यकर्ता जिन्होंने चुनाव में अपना तन मन धन के साथ ही प्राणों की आहुति दी है, उन सब को शत.शत नमन है। इस अवसर पर पार्षदगण विजय मोटवानी, अखिलेश सोनकर, हेमंत बंजारे, संतोष सोनकर, पिन्टू यादव, कुलेश सोनी, प्रकाश सिन्हा, छोटू वर्मा उपस्थित रहे।

वरिष्ठ जनों के चेहरों में खुशियों की लहर

वरिष्ठ जनों के चेहरों में खुशियों की लहर दौड़ी बंगाल चुनाव के जीत की ओर अग्रसर होता देख। सदर बाजार में मिठाई और फटाकों के साथ मनाया गया उत्साह जिसमे जसराज डागा, डॉ एन पी गुप्ता, अनिल सोनी, मूलचंद लूनिया, बूथ अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, गोपाल सोनी, फूलचंद लालवानी, नरेंद्र लालवानी, युवा मोर्चा के बलराम गुप्ता, हीरू बछावत एवं पार्षद हेमंत बंजारे, कुलेश सोनी मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर से बंगाल तक मोदी मैजिक: रंजना साहू

सेमरा डी में रंजना साहू ने कार्यकर्ताओं के साथ असम, बंगाल की जीत पर मनाए जश्न

धमतरी। असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के शानदार प्रदर्शन पर छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना साहू ने हर्ष व्यक्त करते हुए ग्राम सेमरा डी में जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए जश्न मनाएं। रंजना साहू ने कहा असम की जनता ने विकास पर मुहर लगाई है तो बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए भाजपा को चुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार का कमाल पूर्वोत्तर से बंगाल तक दिख रहा है। यह सबका साथ, सबका विकास को जीत है। असम विधानसभा में भाजपा को प्रचंड जीत पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम को उग्रवाद से विकास की पटरी पर लाया। भ्रष्टाचार मुक्त शासन, महिला सुरक्षा और चाय बागान मजदूरों के कल्याण ने जनता का भरोसा जीता। पश्चिम बंगाल की जीत पर रंजना साहू ने कहा कि बंगाल की जनता तुष्टिकरण, कटमनी और हिंसा की राजनीति से तंग आ चुकी थी। जनता ने भाजपा को मौका दिया है ताकि सोनार बांग्ला का सपना पूरा हो। माताओं.बहनों की सुरक्षा और युवाओं को रोजगार भाजपा की प्राथमिकता रहेगी। रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस परिवारवाद और भ्रष्टाचार में डूबी है, जबकि भाजपा राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करती है। रंजना साहू ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, बंगाल भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं और केंद्रीय नेतृत्व को इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की बधाई शुभकामनाएं दीं। इस जीत के जश्न में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू, जिला महामंत्री राकेश साहू, धनेश्वरी साहू, तेश्वरी साहू, अंगिरा ध्रुव जनपद अध्यक्ष, बालाराम साहू, भगत यादव, अमन राव मंडल अध्यक्ष, सरपंच सुनीता ध्रुव, कमल नारायण ध्रुव, साकेत साहू, सोहन साहू, पन्नालाल थवाईत, फूल सिंह, मक्खन, मूलचंद, सियाराम यादव, रतीराम, राजेश्वर, उमेश कुमार, चंद्रिका बाई, डोमेश्वरी, लक्ष्मी नेताम, टिकेश्वरी नेताम, कार्यकर्ता दयाराम चंद्राकर, भूपेंद्र चंद्राकर सेमरा सहित बड़ी संख्या कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बंगाल में बदलाव की लहर, नए नेतृत्व की ओर बढ़े कदम : रामू रोहरा

धमतरी। नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के रुझानों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह परिणाम ऐतिहासिक साबित होंगे। उन्होंने कहा कि बंगाल के राजनीतिक इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट रूप से सरकार बनाती हुई नजर आ रही है, जो राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने दीदी को सबक सिखा दिया। महापौर रोहरा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से एक ही विचारधारा और नेतृत्व के तहत चल रही सरकार के प्रति जनता में असंतोष था, जिसका परिणाम अब रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जनता ने विकास, पारदर्शिता, सुरक्षा और बेहतर प्रशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे गरीब कल्याण, आवास, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों का प्रभाव पूरे देश के साथ.साथ पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिला है। इन्हीं योजनाओं और नीतियों से प्रभावित होकर जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। महापौर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में उद्योग, रोजगार, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा और निवेश का माहौल बनेगा, जिससे युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे।

जैन समाज को मिला नया अध्यक्ष

बलौदा बाजार। जैन समाज बलौदा बाजार के अध्यक्ष पद हेतु पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार सायं 7:00 बजे तक नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। निर्धारित समय सीमा तक अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ, जो संदीप जैन का था। निर्वाचन अधिकारियों द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अध्यक्ष पद हेतु एकमात्र नामांकन प्राप्त होने के कारण निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार संदीप जैन को आगामी 2 वर्षों के लिए जैन समाज बलौदा बाजार का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष संदीप जैन को पदभार सौंपने हेतु सोमवार, 4 मई 2026 को रात्रि 8:30 बजे मंदिर जी में समाज की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में समाजजनों की उपस्थिति में उन्हें अध्यक्ष पद की औपचारिक जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। निर्वाचन अधिकारियों रमेश जैन एवं जितेंद्र जैन ने समस्त समाजजनों से बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

नागदेव मंदिर के पास कला मंच में सुशासन तिहार शिविर का शुभारंभ

धमतरी। प्रदेश सरकार के सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नगर में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन प्रारंभ हो गया है। इसी कड़ी में नागदेव मंदिर के पास स्थित कला मंच में एक व्यापक शिविर लगाया गया जिसमें हटकेशर वार्ड, लाल बगीचा वार्ड, शीतला पारा वार्ड एवं सुभाष नगर वार्ड के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष व्यवस्था की गई। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर आम जनता की शिकायतें एवं मांगों को गंभीरता से सुन रहे हैं तथा त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है जिससे वे अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठा सकें। शिविर का निरीक्षण करने महापौर रामू रोहरा पहुंचे, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी और पारदर्शिता के साथ किया जा सके। इस प्रकार के शिविरों से नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और उन्हें एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं।

शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी समस्याएं दर्ज कराई और शासन की इस पहल की सराहना की। नगर निगम द्वारा आगे भी विभिन्न वार्डों में इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिससे हर नागरिक तक सुशासन का लाभ पहुंच सके।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 48 लाख की ठगी,महिला व्याख्याता बनी साइबर फ्रॉड का शिकार

रायपुर। जिले में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक महिला व्याख्याता को ऑनलाइन ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर करीब 48 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराधी अब पढ़े-लिखे और जागरूक वर्ग को भी निशाना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बिश्रामपुर थाना क्षेत्र की निवासी राजेश्री नारायण, जो एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं, को फेसबुक के माध्यम से ट्रेडिंग से जुड़े संदेश प्राप्त हुए। ठगों ने अधिक लाभ का भरोसा दिलाकर उनका विश्वास जीत लिया और उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांजैक्शन और आरटीजीएस के जरिए रकम जमा कराने के लिए कहा। धीरे-धीरे पीड़िता से कुल लगभग 48 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि ठगों ने फर्जी लिंक, कॉल और चैट के जरिए योजनाबद्ध तरीके से महिला को भ्रमित किया। फिलहाल मामले की जांच जारी है और साइबर अपराधियों की तलाश की जा रही है। यह घटना लोगों के लिए चेतावनी है कि किसी भी ऑनलाइन निवेश या ट्रेडिंग ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जानकारी और सत्यापन करना बेहद जरूरी है।

18 साल के युवक की मौत के बाद पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई 6 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के पण्डरिया थाना क्षेत्र में एक बारात का जश्न उस वक्त खौफनाक घटना में बदल गया जब मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और 18 वर्षीय मुकेश साहू की जान चली गई, लेकिन घटना के बाद कबीरधाम पुलिस ने तेजी दिखाते हुए महज कुछ ही समय में पूरा मामला सुलझा दिया और 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि 3 विधि के विरुद्ध संघर्षरत किशोरों को निरुद्ध किया गया, यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल और एसडीओपी पण्डरिया भूपत सिंह धनेश्री के नेतृत्व में अंजाम दी गई, दरअसल मामला 15 अप्रैल 2026 का है जब ग्राम सरईसेत में एक बारात कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते मारपीट में बदल गया, इस झगड़े में मुकेश साहू गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, इस घटना के बाद थाना लोरमी से प्राप्त मर्ग डायरी के आधार पर थाना पण्डरिया में मर्ग क्रमांक 14/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई, पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से साक्ष्य जुटाए, गवाहों के बयान लिए, पहचान परेड कराई और तकनीकी व भौतिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान पुख्ता की, इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर एक-एक कर सभी आरोपियों को धर दबोचा, गिरफ्तार आरोपियों में लवेश कुमार धुर्वे (30 वर्ष), ओमप्रकाश उर्फ मोनू धुर्वे (19 वर्ष), नारायण सिंह धुर्वे (46 वर्ष), राहुल कुमार धुर्वे (22 वर्ष), अजय धुर्वे (23 वर्ष) और हरेन्द्र कुमार धुर्वे (20 वर्ष) सभी निवासी ग्राम सरईसेत, थाना पण्डरिया जिला कबीरधाम शामिल हैं, वहीं इस घटना में शामिल 3 नाबालिगों को भी विधि अनुसार निरुद्ध किया गया है, पुलिस ने आरोपियों के मेमोरण्डम के आधार पर घटना में प्रयुक्त सामग्री भी जब्त कर ली है और घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं, फिलहाल सभी आरोपियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई जारी है और पुलिस पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है, इस बीच कबीरधाम पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में संयम और शांति बनाए रखें ताकि ऐसे विवाद खतरनाक रूप न लें, गौरतलब है कि एक छोटी सी कहासुनी कैसे जानलेवा बन सकती है, यह घटना उसी की चेतावनी है—संयम ही सुरक्षा है और कानून से ऊपर कोई नहीं।

घर-घर नल से पानी पहुंचाने की योजना का निरीक्षण

रायपुर। केंद्र सरकार के अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक कमल किशोर सोन ने रविवार को सुकमा जिले के ग्राम डोडपाल पहुंचकर जल जीवन मिशन अंतर्गत निर्मित नल-जल योजना की पानी टंकी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम की सरपंच बिन्जो वेट्टी से मुलाकात कर पेयजल व्यवस्था की स्थिति और पहले ग्रामीणों को होने वाली पानी की परेशानियों की जानकारी ली। सरपंच वेट्टी ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद अब ग्रामीणों को पेयजल के लिए हैंडपंप पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, बल्कि घर-घर स्वच्छ पानी की आपूर्ति हो रही है। इससे ग्रामीणों को काफी राहत मिली है और दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है। निरीक्षण के दौरान सोन ने योजना के संचालन, जल वितरण प्रणाली तथा पानी की गुणवत्ता जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान नियमित रूप से अधिक जल परीक्षण कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को हर समय सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को पानी की बचत और अनावश्यक जल अपव्यय रोकने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर कलेक्टर अमित कुमार एवं पुलिस अधीक्षक किरण ने भी ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रधानमंत्री आवास योजना व शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा पंचायत भवन निर्माण की मांग रखे जाने पर अधिकारियों ने आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

चाकू से गोदकर हत्या अब कोर्ट का करारा वार तीनों दोषियों को उम्रकैद

रायपुर। लवन नगर में गुपचुप बेचकर परिवार चलाने वाले युवक की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में आखिरकार इंसाफ का दिन आ गया, थाना लवन पुलिस की तेज और सटीक जांच के दम पर माननीय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार श्रीमती संजया राते ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई, मामला 20 सितंबर 2024 की रात का है जब मृतक विजय साहू अपने घर से घरेलू सामान लेने के लिए निकला था, रात करीब 8 बजे जैसे ही वह अहिल्दा मोड़ के पास पहुंचा, तभी स्कूटी सवार आरोपी वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू हुआ, देखते ही देखते आरोपियों ने अपने पास रखे चाकू से विजय पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, खून से लथपथ विजय को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एक ग्रामीण का न्योता, मुख्यमंत्री का अपनापन

प्रधानमंत्री आवास से साकार हुआ सपना,मुख्यमंत्री ने कराया गृह प्रवेश

■ मुख्यमंत्री साय ने पूछा आवास कोन भेजिस, मोहन ने कहा मोदी जी ने

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के ग्राम लोखान में आज एक अत्यंत भावनात्मक, आत्मीय और जनसरोकारों से जुड़ा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने एक सामान्य ग्रामीण के सादे निमंत्रण को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उसे अपने व्यवहार से एक यादगार क्षण में परिवर्तित कर दिया। गांव में उनके आगमन से जहां उत्साह और जिज्ञासा का माहौल बना हुआ था, वहीं इस पूरे घटनाक्रम ने शासन और आमजन के बीच के आत्मीय संबंधों को भी जीवंत रूप में सामने रखा। ग्राम लोखान निवासी मोहन मरावी के नए पक्के घर का आज गृह प्रवेश कार्यक्रम था। जैसे ही उन्हें यह जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री गांव के दौरे पर हैं, वे बिना देर किए सीधे उनके पास पहुंचे और अपने घर आने का न्योता दे दिया। यह एक ग्रामीण का असाधारण प्रेम भरा अनुरोध था, जिसे मुख्यमंत्री ने उसी सहजता और विनम्रता के साथ स्वीकार किया और उनके घर पहुंचकर इस अवसर को विशेष बना दिया। प्रधानमंत्री आवास से साकार हुआ सपना, मुख्यमंत्री ने कराया गृह प्रवेशमुख्यमंत्री के मोहन मरावी के घर पहुंचते ही वहां एक आत्मीय और पारिवारिक वातावरण बन गया। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के पूरे स्नेह और अपनत्व के साथ नारियल फोड़ा, दीप प्रज्वलित किया और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ गृह प्रवेश की रस्म संपन्न कराई। इस दौरान परिवार के सदस्यों के चेहरे पर जो संतोष, गर्व और खुशी झलक रही थी, वह इस बात का प्रतीक थी कि उनके सपनों का घर अब साकार हो चुका है। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने भी इस क्षण को उत्साहपूर्वक देखा और मुख्यमंत्री की सादगीपूर्ण शैली की सराहना की। इस

आत्मीय संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए मोहन से पूछा आवास कोन भेजिस इस पर मोहन ने सहजता के साथ उत्तर दिया मोदी जी ने। यह छोटा-सा संवाद पूरे माहौल को भावनात्मक गहराई से भर गया और यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी का क्रियान्वयन सीधे लोगों के जीवन में किस प्रकार आशा और विश्वास का संचार कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मोहन मरावी और उनके परिवार से विस्तार से बातचीत करते हुए उनके नए घर के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जाना। मोहन ने बताया कि उनका यह घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त राशि और अपने परिश्रम से तैयार हुआ है। पहले उनका घर कच्चा था, लेकिन वर्ष 2024-25 में आवास स्वीकृत होने के बाद उनके भीतर पक्का घर बनाने का हौसला जागा। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्वयं ईंट बनाकर चार कमरों का सुदृढ़ और व्यवस्थित घर खड़ा किया, जो उनके श्रम, संकल्प और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने घर की गुणवत्ता, संरचना और उसमें झलक रही मेहनत की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि जब शासन की योजनाएं वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं और उसमें लोगों की अपनी मेहनत व सहभागिता जुड़ती है, तभी विकास का वास्तविक स्वरूप सामने आता है। उन्होंने इस पहल को आत्मनिर्भरता, जनभागीदारी और सकारात्मक बदलाव का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास ही राज्य के समग्र विकास की नींव को मजबूत करते हैं। मोहन मरावी ने यह भी बताया कि उन्हें योजना के तहत राशि तीन किस्तों में प्राप्त हुई, जिसका उन्होंने पूरी जिम्मेदारी और समझदारी से उपयोग किया। इसी के परिणामस्वरूप वे अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक पक्का घर तैयार कर सके।

उद्योगों की दादागिरी,बिना सहमति खेत-खार बर्बाद किए जा रहे-कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर के आरंग ब्लॉक अंतर्गत महानदी के चिखली घाट और समोदा घाट से निजी उद्योग अडानी पावर द्वारा पानी की पाइप लाइन बिछाने किसानों की निजी जमीनों और उपजाऊ खेतों को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस गूंगी बहरी सरकार में मोदी के मित्र अडानी का अत्याचार चरम पर है। एक तो चोरी, ऊपर से सीनाजोरी ? महानदी का पानी रायखेड़ा में संचालित अडानी पॉवर प्लांट लाने के लिए किसानो के निजी जमीन, उपजाऊ खेतों में जबरिया खुदाई की जा रही है। मेढ़-पार और हरे भरे पेड़ बेरहमी से काटे जा रहे हैं, अपना खेत पहचानना मुश्किल हो गया है। बिना सूचना दिए, बगैर सहमति 10 फिट गहरा और 10 फिट चौड़ा गड्ढा खोद कर पाइपलाइन बिछाया जा रहा है। उक्त पाइपलाइन के दोनों तरफ20- 20 फिट तक की भूमि पर भविष्य में निर्माण प्रतिबंधित रहेगा, कुआं, नलकूप खोदे में भी प्रतिबंध, पेड़ तक लगाने में प्रतिबंध है, यह जानकारी भी किसानों को नहीं दे रहे। फिलिंग के बाद भी 3-4 साल तक खेत के उस भाग में न ट्रैक्टर जा पाएगा न हार्वेस्टर। खेती-किसानी बर्बाद करने पर तुली है कॉर्पोरेट की गुलाम यह अत्याचारी सरकार.प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि खेत नहीं, ये अन्नदाता किसानों का अस्तित्व है, जहां खुदाई हो रही है वह कन्हार मिट्टी और नहर अपासी खेत है, जो खेत सोना

उगलती है, उसे एक उद्योगपति के निजी स्वार्थ के लिए बर्बाद करना अन्याय है। यह केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, सैकड़ों किसानों के पुरखों की निशानी है। जो सरकार किसानों की निजी जमीनों और खेतों को अपने धन्नासेठ पूंजीपतियों की जागीर समझते हैं, वे भूल रहे हैं कि किसान अपनी आजीविका और सम्मान के लिए मर मिटना भी जानता है। किसानों का अपमान, और केवल कॉर्पोरेट का उत्थान यह नीति देश और प्रदेश को विनाश की ओर ले जा रही है.प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूरे मामले में प्रशासन और सरकार में बैठे नेता मंत्री मौन है, उल्टे ठेकेदार के गुर्गे किसानों को विरोध करने पर जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं, प्रशासन के रवैए से प्रतीत होता है कि छत्तीसगढ़ में सरकार से ऊपर अडानी है, भाजपा सरकार में किसानों की सुनवाई कहीं नहीं है, किसानों के हक और अधिकार सरेआम कुचले जा रहे हैं। न भूमि अधिग्रहण कानून, न पाइपलाइन अधिनियम 2004 की प्रक्रिया का पालन हो रहा है, न उचित मुआवजा बल्कि उद्योगपतियों के दबंगई और दादागिरी से पीड़ित किसान ही प्रताड़ित हो रहे हैं। सरकार उद्योगों की मनमानी और किसानों पर हो रहे इस अत्याचार पर तत्काल रोक लगाएं।

नवजात का मुख्यमंत्री ने किया नामकरण,रविशंकर नाम से गूंजा गांव का आंगन

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का कबीरधाम जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य ग्राम कमराखोल (ग्राम पंचायत लोखान) में आगमन एक आत्मीय और भावनात्मक प्रसंग का साक्षी बना। आम के पेड़ की छांव में खाट पर बैठकर जब मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई, तो वहां का वातावरण पूरी तरह से अपनत्व और विश्वास से भर गया। शासन और जनता के बीच की दूरी इस सहज संवाद में पूरी तरह समाप्त होती नजर आई। इसी दौरान ग्राम की निवासी श्रीमती ऋषि बघेल अपने एक माह के नवजात शिशु को गोद में लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचीं और अत्यंत विनम्रता से अपने पुत्र का नामकरण करने का आग्रह किया। यह एक साधारण निवेदन था, लेकिन उसमें ग्रामीण जीवन की सादगी, विश्वास और आत्मीय जुड़ाव की गहराई साफ झलक रही थी। मुख्यमंत्री ने भी पूरे स्नेह और संवेदनशीलता के साथ इस आग्रह को स्वीकार किया और बच्चे के जन्म दिवस के बारे में जानकारी ली।जब श्रीमती बघेल ने बताया कि बालक का जन्म रविवार के दिन हुआ है, तो मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उस नवजात का नाम रविशंकर रखा। नामकरण के इस क्षण ने वहां उपस्थित सभी ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी की चमक बिखेर दी। जैसे ही यह नाम घोषित हुआ, पूरा चौपाल स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और एक उत्सव जैसा माहौल बन गया। यह दृश्य जनप्रतिनिधि और आमजन के बीच गहरे विश्वास का प्रतीक भी बन गया। इस आत्मीय क्षण ने सुशासन तिहार की मूल भावना को और अधिक सशक्त रूप से प्रस्तुत किया, जहां शासन केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों के जीवन के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनके साथ खड़ा होता है। मुख्यमंत्री श्री साय का यह सहज और मानवीय व्यवहार यह दर्शाता है कि सुशासन का वास्तविक अर्थ लोगों के जीवन से जुड़कर उनकी भावनाओं को समझना और उन्हें सम्मान देना है।

शिक्षामंत्री यादव ने की सुशासन तिहार की समीक्षा पानी और आवास को प्राथमिकता

रायपुर। संवाददाता

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, खाद-बीज भंडारण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, विद्युत एवं पेयजल जैसी जनजीवन से जुड़ी योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी रूप से अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जनता को शासकीय योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के मिल सके। मंत्री श्री यादव ने दुर्ग जिले के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सर्किट हाउस के

सभाकक्ष में सुशासन तिहार की तैयारियों एवं विभागवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूर्ण जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाना और जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री यादव ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि समय-समय पर शिविरों का औचक निरीक्षण कर जनता से सीधे फीडबैक लेंगे। प्रमुख विभागीय निर्देश- राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरणरू लंबित राजस्व प्रकरणों, विशेषकर समय-सीमा पार कर चुके मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। आम नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिक्षा एवं मॉडल स्कूल दुर्ग जिले में एक स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाए। साथ ही, आदर्श कन्या विद्यालय में छात्राओं को श्रम्म् और छम्म्ज् जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जाए।

छोटे भाई को बचाने के दौरान बदमाशों ने बड़े भाई को उतारा मौत के घाट

रायपुर। रात मारपीट के दौरान छोटे भाई को बचाने पहुंचे बड़े भाई की हत्या कर दी गई। बदमाशों ने चापड़ से युवक का गला रेत दिया। वारदात के बाद परिजन और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव किया। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम अभिषेक यादव (22) है, जो मोपका गुड़ी मोहल्ले का रहने वाला था। उसके चचेरे भाई ओमप्रकाश यादव (16) का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। युवकों ने ओमप्रकाश से पिटाई शुरू कर दी। अभिषेक ओमप्रकाश को बचाने के लिए पहुंचा था। तभी बदमाशों ने उस पर भी हमला कर दिया। हालांकि, अभी तक विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार और जनभागीदारी का आह्वान किया राज्यपाल ने

बस्तर अब शांति और विश्वास का गढ़ हो गया-राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि बस्तर अब शांति और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने जोर दिया कि इस सकारात्मक बदलाव को स्थायी बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, जल व पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राज्यपाल आज जगदलपुर कलेक्टोरेट के 'प्रेरणा' सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री डेका ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बस्तर की समृद्ध प्राकृतिक संपदा का समुचित उपयोग करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास मॉडल तैयार करें। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा एवं स्वास्थ्य, ड्रॉप-आउट बच्चों को पुनः स्कूलों से जोड़ने के लिए सामुदायिक प्रयास किए जाएं। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुँचाना सुनिश्चित करें। बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार और जनभागीदारी का आह्वान किया राज्यपाल ने पारंपरिक कौशल और वनोपज को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए नए प्रयोग किए जाएं। जैविक खेती, बकरीपालन, कुक्कुटपालन और मत्स्य पालन जैसी सहायक कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय कोसा वस्त्रों के मूल्य संवर्धन के लिए उनके डिजाइन में समसामयिक बदलाव करें, ताकि वे वैश्विक बाजार में अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन सकें। महिला स्व-सहायता समूहों को मशरूम, अदरक और हल्दी की खेती के लिए प्रेरित करें। उन्हें अलग-अलग मौसम के अनुरूप विविध उत्पाद तैयार करने और सीधे बाजार से जोड़ने में सहायता प्रदान करें। राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कलेक्टोरेट परिसर में आम का पौधरोपण किया और जनसहभागिता से पौधों की देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मानवीय

संवेदनाओं का परिचय देते हुए टीबी उन्मूलन हेतु निक्षय मित्रों को सहायता राशि और प्रमाण पत्र वितरित किए। निक्षय मित्र निधि से मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किए। मोतियाबिंद ऑपरेशन के पश्चात हितग्राहियों को चश्मों का वितरण किया। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में संचालित विकास योजनाओं और नवाचारों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर में प्राकृतिक संपदा और नवाचार का संगम

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर में आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर की कला, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों को नवाचार से जोड़कर क्षेत्र की एक नई पहचान गढ़ने का आह्वान किया। युवाओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और यहाँ के युवाओं में नौकरी खोजने के बजाय नौकरी देने वाला बनने की असीम क्षमता है। उन्होंने उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 केवल डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कौशल और आत्मनिर्भरता की नींव रखती है। उन्होंने युवाओं को जोखिम लेने और तकनीक का बेहतर उपयोग करने का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि बस्तर अब चुनौतियों के दौर को पीछे छोड़कर विकास की नई राह पर है। यहाँ उपलब्ध महुआ, इमली, तेंदूपत्ता और रेशम जैसे संसाधनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि हमें कच्चा माल बेचने के बजाय स्थानीय स्तर पर वैल्यू एडिशन कर उत्पादों की ब्रांडिंग करनी चाहिए।

संपादकीय

दो-तिहाई का खेल और दलबदल कानून की घटती प्रासंगिकता

आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक दल को छोड़ कर दूसरे में शामिल होने को लोकतांत्रिक अधिकार के तौर पर देखा जाता है। मगर सच यह भी है कि जब जनप्रतिनिधियों ने सिद्धांतों के बजाय सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने को एक आम चलन बनाना शुरू कर दिया, तब इस पर लगाम लगाने की जरूरत पड़ी और इसी क्रम में दल-बदल विरोधी कानून अस्तित्व में आया। विडंबना यह है कि इस कानून के लागू होने के बावजूद अलग-अलग कारणों का हवाला देकर विधायकों या सांसदों के पाला बदलने या दूसरी पार्टियों में शामिल होने के मामले आए दिन सामने आते रहे हैं। मगर इस बार आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। गौरतलब है कि राज्यसभा में आप के दस सांसद थे। उनमें से राघव चड्ढा सहित सात सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। उनका मानना है कि चूंकि अलग होने वाले सांसदों की संख्या दो-तिहाई की कसौटी पर पूरी है, इसलिए दल-बदल विरोधी कानून के तहत यह गलत नहीं है।संभव है कि आप छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले इन नेताओं के लिए सिर्फ कानून के प्रावधानों पर खरा उतरना ही किसी कार्रवाई से बचने के लिए काफी है, लेकिन सवाल है कि क्या केवल तकनीकी तौर पर सही होकर ही खुद को नैतिकता की कसौटी पर भी उचित मान लिया जा सकता है! खैर, आम आदमी पार्टी की ओर से संबंधित सातों सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग करने की बात कही गई है। हवाला यह दिया गया है कि दल-बदल कानून में राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी करने पर स्पष्ट तौर पर मनाही की गई है, भले ही वहां दो-तिहाई बहुमत हो। जाहिर है, आप के नेता अब दल-बदल से संबंधित कानूनी बारीकियों के मुताबिक कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। मगर यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर मान्यता का मुद्दा उठने पर अंतिम फैसला क्या आता है। एक सवाल अपना दल छोड़ कर सांसदों के भाजपा में शामिल होने और पार्टी के रूप में विलय से जुड़े संदर्भ का भी उठेगा। हालांकि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा की राजनीतिक सक्रियता जिस तरह उलझी हुई दिख रही थी, उसके मद्देनजर पहले से ही उनके पार्टी से बाहर होने की संभावना जताई जा रही थी। मगर उनके साथ जिस तरह छह अन्य नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उसे लेकर राजनीतिक हलके में थोड़ी हैरानी जताई जा रही है। देश की राजनीति में बिना किसी सैद्धांतिक आधार के सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने की प्रवृत्ति और इसके सहारे सरकारों की स्थिरता के प्रभावित होने के हालात को रोकने के लिए दल-बदल कानून बनाया गया था। मगर पिछले कुछ वर्षों से इस कानून के तहत मिली छूट का लाभ उठा कर कई राज्यों में जिस तरह सरकारें बदली गईं, उसमें कहीं भी सैद्धांतिक कसौटी का ख्याल रखना जरूरी नहीं समझा गया।

युद्ध की आग में आर्थिक अवसर, ईरान की आक्रामक रणनीति

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा। हाल ही में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। यह घोषणा अमेरिका की ओर से की गई, लेकिन ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को अभी भी अवरुद्ध कर रखा है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान को बंद पड़े इस समुद्री मार्ग को न खोलने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है, दूसरी तरफ ईरान इसे कमाई के अवसर के रूप में देख रहा है। दरअसल, ईरान ने होर्मुज जलमार्ग में अपने लिए 'एक सुरक्षित कॉरिडोर' तैयार किया है, जो लार्क द्वीप के आसपास से होकर गुजरता है।

(अखिलेश आर्येंदु)

इस नई व्यवस्था के जरिए संघर्ष की स्थिति में भी ईरान कमाई के साधन बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है। मीडिया रपटों के मुताबिक, अमेरिका की धमकियों से ईरान दबाव में आने के बजाय बेखौफ होकर अपनी रणनीति और कूटनीति के साथ सधे कदमों से काम कर रहा है। ईरान के एक सांसद के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग से गुजरने वाले तेल के चुनिंदा जहाजों पर ईरान की ओर से लगभग दो मिलियन डालर का शुल्क लगाया जा रहा है। हालांकि, जब से अमेरिका ने समुद्र में नाकेबंदी शुरू की है, तब से इस कार्य में ईरान के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो उसके ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर दिया जाएगा। मगर इससे दबाव में आने के बजाय ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि यदि अमेरिका की ओर से हमले की कार्रवाई की गई, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। इन बयानों से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा और शेयर बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। ईरान की कूटनीति और रणनीति अब भी आक्रामक प्रतिक्रिया वाली है। वह अमेरिका की चेतावनियों और धमकियों का जवाब उसी अंदाज में दे रहा है। ऐसे में यह कहना बहुत मुश्किल है कि दोनों पक्षों के बीच युद्ध कब तक थमा रहेगा। इस युद्ध में ईरान में अब तक हताहतों की तादाद इजराइल से भले ज्यादा हो, लेकिन वह एक कदम भी पीछे हटने का संकेत नहीं दे रहा है, उल्टे इस संघर्ष में वह कमाई करने का मौका देख रहा है। यही वजह है कि ईरान बेहद सधी रणनीति से आगे बढ़ते हुए अपने ध्वस्त ढांचों को फिर से खड़ा करने और संघर्ष में धन की कमी को पूरा करने के लिए तेल को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा, यानी उसने अमेरिका और इजराइल को स्पष्ट तौर पर यह संदेश दिया है कि उसे धमकियों से डराया नहीं जा सकता। ईरान सोची-समझी रणनीति के तहत अमेरिका समर्थित अरब देशों को निशाना बना रहा है। यहां तक कि दुबई पर भी हमले कर रहा है, जहां दुनिया के करीब दो सौ देशों के लोग रहते हैं। सवाल है कि दुबई पर हमला करके ईरान को क्या फायदा मिल रहा है या भविष्य में मिल सकता है? इसके लिए दुबई की 'धनकुबेर' वाली छवि को समझना होगा और यह भी जानना होगा कि दुबई पर ईरान के हमलों के पीछे की रणनीति या कूटनीति किस तरह की है?

ईरान इस संघर्ष को ऐसे अवसर के रूप में देख रहा है, जो आगे चलकर उसकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दुबई पर उसका हमला इसी दूरदृष्टि का परिणाम है। ईरान जानता है कि अमेरिकी दोस्त दुबई की धनकुबेर वाली छवि को खराब करने के लिए उस पर हमला करना जरूरी है। लोग घबराकर दुबई को छोड़ कर एक सुरक्षित जगह की तलाश करेंगे, जिसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर तो पड़ेगा ही, उसकी धनकुबेर वाली छवि भी खराब हो सकती है। ईरान के हमलों से वहां के कारोबार और पर्यटन पर गहरा असर पड़ेगा, जिससे उसकी आमदनी भी प्रभावित होगी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दुबई में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए थे, जिससे उसकी बड़े पैमाने पर आमदनी हुई। ईरान के हमलों से दुबई जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आएगी, जिसका अप्रत्यक्ष रूप से उसे फायदा होगा।

पश्चिम एशिया में जब से संघर्ष की शुरुआत हुई है, तब से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसका फायदा उठाकर ईरान अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश में जुटा है। दूसरी तरफ होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध की वजह से ईरान को ढांचागत क्षति के साथ अतिरिक्त प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ सकता है, लेकिन तत्काल ऊर्जा की कीमतें उसके लिए एक आर्थिक हथियार के रूप में काम कर रही हैं। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित दुनिया के कई देशों से कह चुके हैं कि रूस से तेल ज्यादा से ज्यादा खरीदा जाना चाहिए, जिससे दुनिया में ऊर्जा का कोई गंभीर संकट न पैदा हो। इससे रूस को फायदा हो रहा है और इसके परिणामस्वरूप ईरान को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल रही है। चूंकि रूस और चीन के साथ ईरान के संबंध बेहतर हैं, इसलिए उसे इन देशों से आर्थिक और कूटनीतिक सुरक्षा मिल रही है।

यह सच है कि ईरान की अर्थव्यवस्था तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात पर टिकी है, जो दुनिया के सबसे बड़े जीवाश्म ईंधन भंडारों में से एक है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार और चौथा तेल भंडार ईरान के पास है। वह होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि उसके मूलभूत ढांचों और संयंत्रों पर हमला करने से महज उसका ही नुकसान नहीं होगा, बल्कि दुनिया के तमाम देशों पर इसका प्रत्यक्ष असर पड़ेगा। ईरान का कहना है कि अमेरिका को अब यह समझ में आ रहा है कि प्रतिबंधों और हमलों से उसे वह सब हासिल नहीं हो पाया है, जिसके लिए उसने इजराइल के साथ मिलकर हमले किए थे।ईरान दुनिया को यह संदेश देने में भी सफल होता दिखाई दे रहा है कि इजराइल और अमेरिका की ओर से उसके ऊपर किए गए हमले गैरजरूरी और उसकी संप्रभुता को खत्म करने की कोशिश हैं। यही वजह है कि नाटो देश इस युद्ध में अमेरिका का साथ देने को तैयार नहीं हुए। अब ईरान खुद को एक तरह से इस संघर्ष का विजेता मान रहा है, क्योंकि तेल और गैस की आपूर्ति को रोककर उसने वैश्विक संकट खड़ा कर दिया है और अमेरिका इसे सुलझाने में अब तक विफल रहा। जो भी हो, इस युद्ध से अभी तक अमेरिका और इजराइल को वह हासिल होता हुआ नजर नहीं आ रहा है, जिसके लिए युद्ध को एकमात्र विकल्प बताया गया था।

शिक्षा सत्र में जल्दबाजी, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और उत्साह पर भारी पड़ता बदलाव

(राजेंद्र जोशी)

शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र को जल्दी शुरू करना शायद सीखने की अवधि में ज्यादा अंतराल को कम करने का प्रयास है, लेकिन व्यवहारिकता गायब है। बच्चे परीक्षा की थकान अभी ठीक से उतार नहीं पाए थे कि नई किताबें थमा दी गईं।बच्चों के परीक्षा परिणाम घोषित हो चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले इस बार नया शिक्षा सत्र भी समय से पहले प्रारंभ हो गया है। अब गर्मी की छुट्टियां सत्र की शुरुआत के डेढ़ माह बाद होने की स्थिति बन रही है। दरअसल, परिणाम के तुरंत बाद नए सत्र में बच्चों को नई कक्षा में प्रवेश मिल गया। इस बीच परीक्षा में पास होने की खुशी से उपजे आनंद को महसूस करने, उमंग में थोड़ा झूमने का समय बच्चों को बिल्कुल नहीं मिला। बच्चे अभी परिणाम की मिठास चख ही पाए थे कि स्कूल की कक्षाओं की घंटियां बज गईं। ऐसा लगता है कि कुछ मजा नहीं आ रहा, नए सत्र का एहसास भी नहीं हो पा रहा।

डेढ़-दो दशक पहले अगली कक्षा में जाने की जबरदस्त खुशी का वातावरण घर-परिवार के साथ-साथ दोस्तों के बीच छा जाता था। कई दिनों तक दोस्तों के साथ मस्ती, ननिहाल में हंसी-ठिठोली का माहौल बना रहता। रंग-बिरंगे गुब्बारे, मिठाइयां बांटना, नए कपड़े पहनना- सब कुछ उत्सव की तरह होता। मगर इस बार न मस्ती है, न ही अगली और बड़ी कक्षा में प्रवेश का उत्साह। नए सत्र की तैयारी, जो घर-घर में त्योहार की तरह होती थी, इस बार वह भी अधर में लटक गई। शिक्षा सत्र को लेकर तैयारी का समय ही नहीं मिला और अगले ही दिन कक्षा बदल गई।

अध्ययन का समय बढ़ाना और सत्र के कैलेंडर में वर्ष भर परिवर्तन करने को लेकर शायद ही किसी को कोई आपत्ति होगी, लेकिन परिणाम के ठीक अगले दिन स्कूल फिर शुरू हो जाना और डेढ़ माह बाद छुट्टियों की शुरुआत की व्यवस्था व्यावहारिक रूप से जंच नहीं रही। यह समझना मुश्किल है कि ऐसा क्यों किया गया। क्या इसमें बच्चों की रुचि रही है या उनकी क्षमता विकसित करने का कोई बड़ा इरादा है! स्कूलों को भी नए शिक्षा सत्र के स्वागत की तैयारी के लिए समय नहीं मिला। कक्षाएं सजाने, शिक्षकों का प्रशिक्षण, नई किताबों का वितरण- सब कुछ जल्दबाजी में हो गया। नतीजा यह हुआ है कि बच्चे थके-मांदे से लग रहे हैं, उत्साह की जगह ऊब और बोरियत ने ले ली है। सवाल है कि बच्चों के साथ ऐसा होने का लाभ किसे मिलने वाला है?

पुराने समय में गर्मी की छुट्टियां डेढ़ माह लंबी होती थीं। स्कूल बंद होते ही सत्र की समाप्ति को लेकर खुशी देखी जाती। फिर उसके बाद नए शिक्षा सत्र की शुरुआत होती। आमतौर पर छुट्टियों के अंतिम दस दिन विशेष तैयारी के होते। मां-पिता कपड़े संभालते, धोते-रंगते। स्कूल का नया परिधान सिलवाया जाता, पुराने परिधान को संभाल कर रखा जाता। वह सब करना रोमांच से भरा होता था। नई किताबें बाजार से लाई जातीं। उनकी चमक-दमक देखकर बच्चे उछल पड़ते। स्कूल बैग भी नया लाया जाता था, अभ्यास पुस्तिकाएं खरीदी जातीं। दोस्तों के साथ किताबें बदलना, कवर चढ़ाना- इस तरह की छोटी-छोटी बातें भी खुशी का सबब बनती थीं।

अब नई कक्षा में बैठने का जश्न और उत्साह ही अलग होता। पहले दिन स्कूल पहुंचते ही नजरें नई बेंच पर टिक जातीं। अपना स्थान चुनना, नाम लिखना, दोस्तों से बातें करना- वह सब रोमांचक लगता। स्कूल जल्दी जाने की लालसा होती। सुबह उठकर तैयार होना, मां के हाथ का नाश्ता खाना और बैग कंधे पर लटकाकर दौड़ पड़ना। अगली कक्षा में जाकर अपना स्थान 'रोकने' का इंतजार रहता। ऊंचाई की खुशी, बड़े होने का अहसास- सब कुछ जिंदगी का हिस्सा बन जाता। मगर आज वह उमंग या उत्साह कहां है? नई कक्षा में जाने की विशेष तैयारी भी नहीं हो पाती। बच्चे बस यों ही चले जाते हैं, बिना किसी धूमधाम के।

इस बदलाव का सबसे बड़ा नुकसान बच्चों की मानसिकता पर पड़ रहा है। शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र को जल्दी शुरू करना शायद सीखने की अवधि में ज्यादा अंतराल को कम करने का प्रयास है, लेकिन व्यवहारिकता गायब है। बच्चे परीक्षा की थकान अभी ठीक से उतार नहीं पाए थे कि नई किताबें थमा दी गईं। पास होने की खुशी मनाने का समय न मिले, तो आगे पढ़ाई में मन कैसे लगे? राजस्थान जैसे गर्म इलाकों में अप्रैल-मई की तपिश में डेढ़ माह बाद छुट्टियां देना स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं। बच्चे गर्मी से परेशान होंगे, तो उनकी एकाग्रता भंग होगी और सेहत पर जोखिम बढ़ेगा।

पहले छुट्टियां बच्चों के लिए अपने भीतर फिर से ऊर्जा भरने का समय होती थीं। खेलना-कूदना, परिवार के साथ समय बिताना, ननिहाल जाना- यह सब मानसिक विकास के लिए जरूरी था। दोस्तों के साथ क्रिकेट, कबड्डी या गलियों में दौड़कर लगाना। अब वह मौका ही नहीं मिल पाता। सोशल मीडिया की स्थिति यह है कि कई बार वहां दोस्तों की तस्वीरें देखकर कुछ लोगों को जलन होती होगी। इस तरह की भावना अगर बच्चों के भीतर आए, तो उनके भीतर नकारात्मकता पैदा होगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि सीखने के लिए उत्साह जरूरी है। बिना उत्साह के रट्टा लगाना बोझ बन जाता है।

बचपन पर कैंसर का साया, चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और स्वास्थ्य असमानता के बीच संघर्ष

बचपन को सपनों का 'सुनहरा दौर' माना जाता है, लेकिन कैंसर हजारों बच्चों से ये दौर छीन रहा है। 'द लैंसेट' की एक हालिया रिपोर्ट वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक चौंकाने वाली विफलता को उजागर करती है। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल होता है, जिसमें सपनों की नींव रखी जाती है, संभावनाओं के पंख विकसित होते हैं और भविष्य की दिशा तय होती है। मगर आज यही बचपन कैंसर जैसे जटिल रोगों की गिरफ्त में आ रहा है, जो न केवल बच्चों के जीवन के सबसे कीमती वर्षों को छीन रहा है, बल्कि उनकी जान भी ले रहा है। यह केवल जीवनशैली और प्राकृतिक बदलाव का परिणाम नहीं है, बल्कि व्यवस्था से जुड़ा सवाल भी है। सबसे भयावह और असमानता का पहलू यह है कि बाल्यावस्था में कैंसर से होने वाली 94 फीसद मौत और 85 फीसद नए मामले कम एवं मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

यानी जिन देशों में संसाधन सबसे कम हैं, वहां इस रोग का कहर सबसे अधिक है। भारत भी इस त्रासदी से अछूता नहीं है, जहां हर वर्ष लगभग 17 हजार बच्चे कैंसर के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। स्पष्ट है कि कैंसर से जंग केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आर्थिक और व्यवस्था के स्तर पर भी है।

'द लैंसेट' में प्रकाशित रपट 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज-2023' बाल्यावस्था में कैंसर के संकट की भयावहता को उजागर करती है। यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों की विफलता और स्वास्थ्य असमानता की तस्वीर पेश करती है, जिसमें सबसे ज्यादा पीड़ा उन देशों की झलकती है, जहां संसाधन सीमित हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर। रपट के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनिया भर में बाल्यावस्था के कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए और करीब 1.44 लाख बच्चों की मृत्यु हो गई। इससे स्पष्ट है कि बाल्यावस्था का कैंसर अब केवल एक चिकित्सीय चुनौती नहीं रहा, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियों और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं का प्रतीक बन गया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट कई स्तरों पर जटिल है। एक ओर चिकित्सा विज्ञान ने कैंसर के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है, दूसरी ओर इन आधुनिक सुविधाओं तक पहुंच अभी भी सीमित है। देश के बड़े शहरों में तो उन्नत कैंसर उपचार केंद्र मौजूद हैं, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में ये सुविधाएं न के बराबर हैं। परिणामस्वरूप अधिकांश बच्चे तब अस्पताल पहुंचते हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है। यही कारण है कि भारत में बाल कैंसर के मामलों में जीवित रहने की दर विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

लैंसेट की रपट से पता चलता है कि बाल्यावस्था का कैंसर वर्ष 2023 में बच्चों की मृत्यु का आठवां प्रमुख कारण रहा। यही नहीं, यह 'डिसेबिलिटी-एडजस्टेड लाइफ ईयर्स' (डीएएलवाई) के संदर्भ में भी दसवां सबसे बड़ा कारण है। 'डीएएलवाई' का अर्थ है, स्वस्थ जीवन के एक वर्ष का नुकसान यानी कैंसर केवल जीवन ही नहीं छीन रहा, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सक्रिय और कीमती समय को भी नष्ट कर रहा है। यह एक ऐसी क्षति है, जिसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव दीर्घकालिक एवं गहरा होता है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक पहलू यह है कि बाल्यावस्था के कैंसर के अधिकांश मामलों का संबंध जीवनशैली से नहीं होता, जैसा कि वयस्कों में देखा जाता है, बल्कि बच्चों में कैंसर अक्सर आनुवंशिक परिवर्तनों या कोशिकीय असामान्यता के कारण विकसित होता है। ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) बच्चों में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, जिससे वर्ष 2023 में लगभग 45,900 बच्चों की मृत्यु हुई। इसके बाद मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कैंसर हैं, जिससे 23,200 बच्चों की मौत हुई। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो एक विरोधाभास स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आता है। वर्ष 1990 की तुलना में 2023 में बाल्यावस्था के कैंसर से होने वाली मौत में लगभग 27 फीसद की कमी आई है,

जो चिकित्सा विज्ञान की प्रगति का स्पष्ट संकेत है। मगर यह प्रगति समान रूप से वितरित नहीं है। जहां विकसित देशों में इलाज की बेहतर सुविधाओं के कारण मृत्यु दर में गिरावट आई है, वहीं अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में यह दर 55 फीसद से अधिक बढ़ गई है। यह असमानता साफ तौर पर वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है।

भारत की बात की जाए, तो यहां बाल कैंसर की चुनौती केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक आयामों से भी जुड़ी हुई है। एक ओर इलाज का खर्च अत्यधिक है, दूसरी ओर अधिकांश परिवारों के पास स्वास्थ्य बीमा या वित्तीय सुरक्षा नहीं होती है। परिणामस्वरूप कई मामलों में इलाज अधूरा रह जाता है। इसके अलावा, जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। प्रारंभिक लक्षणों को अक्सर सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे निदान में देरी होती है और उपचार की संभावना कम हो जाती है। स्वास्थ्य प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियां भी इस संकट को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रशिक्षित चिकित्सकों और आवश्यक जांच सुविधाओं का अभाव, विशेषज्ञों की कमी और बड़े अस्पताल भेजने की प्रक्रिया में जटिलता बच्चों को समय पर उपचार मिलने में बाधा उत्पन्न करती है।

हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से शुरू किया गया 'ग्लोबल चाइल्डहुड कैंसर इनिशिएटिव' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक कैंसर से पीड़ित बच्चों में जीवित रहने की दर को कम से कम साठ फीसद तक बढ़ाना है। इसके तहत समय पर निदान, सस्ती और सुलभ दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। भारत में भी सरकार और विभिन्न संस्थाएं इस दिशा में प्रयासरत हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को इलाज की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा, टेलीमेडिसिन, संचालित स्वास्थ्य इकाइयों और डिजिटल स्वास्थ्य मंच के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मगर इस कवायद को और अधिक व्यापक, समन्वित और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

इसमें दोराय नहीं कि इस समस्या का समाधान केवल चिकित्सा प्रगति से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। सबसे पहले, जन-जागरूकता को बढ़ाना होगा, ताकि माता-पिता और शिक्षक प्रारंभिक लक्षणों को पहचान सकें। इसके साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना होगा, ताकि शुरुआती स्तर पर ही रोग की पहचान और उपचार संभव हो सके। चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश बढ़ाना भी आवश्यक है, ताकि पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य सेवाओं में समानता सुनिश्चित करना अत्यंत जरूरी है। जब तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच और अमीर एवं गरीब देशों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई कम नहीं होगी, तब तक इस समस्या का समाधान अधूरा ही रहेगा।

बचपन को कैंसर से बचाना केवल एक चिकित्सा लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। यह उस समाज की पहचान है, जो अपने सबसे कमजोर और अनमोल वर्ग की रक्षा करने में सक्षम है। यदि हम वास्तव में एक स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की कल्पना करते हैं, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान न गंवाए, क्योंकि उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। कैंसर से जूझता बचपन हमें यह अहसास कराता है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति से नहीं मापा जा सकता, बल्कि यह इससे तय होता है कि हम अपने बच्चों को कितना सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन दे पा रहे हैं।

किसानों के लिए औषधि और सुगंधित पौधों की खेती का एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण बोर्ड द्वारा हुआ आयोजित

नारायणपुर। अबूझमाड़ (बस्तर) के किसानों के लिए औषधि और सुगंधित पौधों की खेती का एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण बोर्ड द्वारा आयोजित किया गया। नक्सल आतंक से मुक्त होने के पश्चात बस्तर के सर्वांगीण विकास एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु अबूझमाड़ वासियों को आजीविका के नए एवं उन्नत अवसर उपलब्ध कराने हेतु छत्तीसगढ़ शासन निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ (बस्तर) क्षेत्र के कोहकामेटा, कुरुषनार, कंदाडी, किहकाड़, कोडोली, बासिंगबाहर गांव के 50 से अधिक आदिवासी कृषकों को औषधि पादप बोर्ड रायपुर द्वारा धमतरी जिले में बोर्ड के सहयोग से की जा रही औषधीय पौधों की खेती से रूबरू कराने हेतु अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण में अबूझमाड़ के कृषकों ने धमतरी जिले में महिला स्व सहायता समूहो द्वारा बोर्ड के मार्गदर्शन एवं सहयोग से की जा रही औषधि पौधों खस, ब्राह्मी एवं बच की खेती का अवलोकन किया। नई सुबह की ओर अभियान के अंतर्गत बोर्ड द्वारा बस्तर के विभिन्न क्षेत्रों/जिलों के किसानों के लिए औषधि और सुगंधित पौधों की खेती तथा उनके अध्ययन प्रवास का आयोजन कराया जा रहा है, जिसके जरिए उनकी क्षमता विकास का लक्ष्य रखा गया है। बस्तर के किसानों को बाजार में अत्यधिक मांग वाली औषधि तथा सुगंधित पौधों की खेती के जरिए आर्थिक रूप से सशक्त तथा सशक्तिकरण के नए साधन उपलब्ध कराना इस अभियान का उद्देश्य है। नई सुबह की ओर अभियान के अंतर्गत बोर्ड द्वारा नारायणपुर जिले के किसानों को धमतरी के कंडेल गांव में बोर्ड के सहयोग से की जा रही ब्राह्मी की खेती का विजिट कराया गया, तथा ब्राह्मी की खेती का प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अध्ययन प्रवास में किसानों को ब्राह्मी के खेत को तैयार कैसे करें, पौधों को कैसे रोपण करें, उनके लिए किस प्रकार की सिंचाई की आवश्यकता होती है, किस प्रकार के खाद ब्राह्मी की खेती में डाला जाना चाहिए और ब्राह्मी की खेती करने के बाद उसे कहां पर बेचा जा सकता है, इसके बारे में विस्तार से बोर्ड की ओर से धमतरी के जिला कंसल्टेंट फकीर चंद कोसरिया द्वारा जानकारी दी गई। ग्राम कंडेल में ब्राह्मी की खेती कर रहे महिला स्व सहायता समूह की सदस्य ने अबूझमाड़ (बस्तर) से आए सभी किसानों का स्वागत किया तथा उन्हें अपने अनुभव के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने पारंपरिक धान की खेती के बदले खस, ब्राह्मी और बच की खेती प्रारंभ की और उनके इस निर्णय से आज धान से होने वाले मुनाफे से दोगुना मुनाफा प्राप्त हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि खस, ब्राह्मी और बच की खेती में लागत कम होने के साथ बार-बार रोपाई की जरूरत नहीं होती, एक बार रोपाई के बाद 3 से 4 वर्षों तक इनकी उपज ली जा सकती है। महिला स्व सहायता समूह की सदस्य दुलारी ढीमर जोकि खस, ब्राह्मी और बच की खेती की मास्टर ट्रेनर के रूप में किसानों को प्रशिक्षण दे रही है, ने विस्तार से इनकी खेती के बारे में जानकारी किसानों के समूह को दी। अध्ययन प्रवास के अगले चरण में किसानों को ग्राम मगरलोड में खस की खेती का विजिट कराया गया, यहां पर किसानों को जानकारी दी गई कि खस की मांग बाजार में अत्यधिक है, तथा उसे नदियों के किनारे एवं जंगली नालों के किनारे भी आसानी से लगाया जा सकता है। किसानों को जानकारी दी कि धमतरी के इस मॉडल को बस्तर के विभिन्न क्षेत्रों में नदियों के किनारे तथा नालों के किनारे पर आसानी से लगाकर लाभ कमाया जा सकता है। किसानों को यह जानकारी भी दी गई कि इसका प्रशिक्षण एवं पौधे भी बोर्ड की तरफ से निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। औषधि और सुगंधित पौधों की खेती शुरू करने के लिए निवेशकों से अनुबंध कराकर अग्रिम राशि प्रदान कर आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। इस अध्ययन प्रवास से अबूझमाड़ के वे कृषक जो अब तक विकास की मुख्यधारा से दूर थे, अब औषधि पौधों की खेती के लिए प्रोत्साहित हुए एवं शीघ्र ही अपने खेतों में इन औषधि पौधों की खेती प्रारंभ करने हेतु उत्साहित हैं। बोर्ड के सीईओ जे.ए.सी.एस. राव ने यह जानकारी दी कि बोर्ड द्वारा बस्तर के सभी जिलों के किसानों को औषधि और सुगंधित पौधों की खेती के लिए अध्ययन प्रवास तथा प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त किया जाएगा तथा खेती के जरिए दो से तीन गुना तक की आय के साधन उपलब्ध कराने के लिए बोर्ड लगातार कार्य करता रहेगा, जिससे अबूझमाड़ क्षेत्र के किसान विकास की नई सुबह से रूबरू हो सके।

डिजिटल सशक्तिकरण की मिसाल बीसी सखी संतोषी बदल रहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर

कोंडागांव। कोण्डागांव जिले के केशकाल विकासखंड के गांव इरागांव की निवासी संतोषी सिन्हा आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और लगन के बल पर न केवल स्वयं को सशक्त बनाया, बल्कि अपने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संतोषी सिन्हा ने वर्ष 2018 में बीसी सखी के रूप में अपने कार्य की शुरुआत की। वे सीता सावित्री स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई है और सीएससी के माध्यम से सेवाएं प्रदान कर रही हैं। प्रारंभ में सीमित संसाधन और जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियां सामने आई, लेकिन उन्होंने धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ इनका सामना करते हुए अपने कार्यक्षेत्र का लगातार विस्तार किया। अब तक संतोषी 3500 से अधिक बैंक खाते खुलवा चुकी है और लगभग 25 हजार से अधिक लेन-देन कर चुकी हैं, जिनकी कुल राशि 3.5 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने 212 पेंशनधारियों को नियमित भुगतान सुनिश्चित किया है तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के 75 हितग्राहियों को लाभ दिलाने में सहयोग किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने 900 लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 200 लोगों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और 40 लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा है। उनके सेवा केंद्र के माध्यम से ग्रामीण जन एलआईसी प्रीमियम जमा करने, मोबाइल एवं टीवी रिचार्ज, नगद जमा-निकासी, धन अंतरण, बिजली बिल भुगतान, आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा पीएम किसान केवाईसी जैसी अनेक सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। उनकी सक्रियता ने गांव में डिजिटल और बैंकिंग सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। कोरोना महामारी के दौरान, जब अधिकांश सेवाएं बाधित थीं, संतोषी सिन्हा ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बैंकिंग सेवाएं निरंतर जारी रखीं। वे घर-घर जाकर बुजुर्गों को पेंशन और श्रमिकों को भुगतान उपलब्ध कराती रहीं। उनके इस कार्य ने गांव में एक विशिष्ट पहचान दिलाई। वर्तमान में संतोषी सिन्हा प्रति माह लगभग 10 से 11 हजार रुपये तक का कमीशन अर्जित कर रही हैं और अब तक करीब 6.25 लाख रुपये की आय प्राप्त कर चुकी हैं। उनकी यह सफलता उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत को दर्शाती है। संतोषी सिन्हा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ उठाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण और डिजिटल समावेशन का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।

प्राकृतिक संसाधनों के साथ समृद्ध आदिवासी कला संस्कृति और पर्यटन की अपार संभावनाएं : राज्यपाल डेका

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्व विद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बस्तर की पवित्र भूमि में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर विश्वास जताया, बस्तर में नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है, ऐसे में युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय नौकरी देने वाला बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को अपनाना जरूरी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वनों की सुरक्षा, नैसर्गिक नदी-नाले का संरक्षण करने सहित उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर समावेशी विकास की अवधारणा को अपनाने की जरूरत बताई। राज्यपाल ने बस्तर के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय चुनौतियों के लिए पहचाना जाने वाला यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर अग्रसर है। यहाँ महुआ, इमली, तेंदूपत्ता, रेशम जैसे प्राकृतिक संसाधनों के साथ समृद्ध आदिवासी कला, संस्कृति और पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने भी नए अवसर खोले हैं। नई शिक्षा नीति 2020 का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि कौशल, नवाचार और आत्मनिर्भरता पर आधारित है। उन्होंने सीखो, लागू करो, नया सोचो, कमाओ के सूत्र को अपनाने का आह्वान किया। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान से व्यवसाय मॉडल के माध्यम से छात्रों को अपने विचारों को स्टार्टअप में बदलने का अवसर दे रहा है, जिससे भविष्य में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि महुआ, इमली जैसे उत्पादों को ब्रांड बनाकर बाजार तक पहुंचाना होगा। कच्चा माल बेचने के बजाय स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन कर आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में काम करना होगा। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि आज मोबाइल फोन ही सबसे बड़ा बाजार बन चुका है। व्हाट्सएप बिजनेस, इंस्टाग्राम और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से तकनीक का उपयोग करने, जोखिम लेने और असफलता से सीखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति एवं टीम को इस पहल के लिए बधाई देते हुए बस्तर को नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनाने के लिए सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया। वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर की हुनर और क्षमता को बाहर की दुनिया में लाना है। बस्तर की संस्कृति-कला को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। बस्तर के शिल्प, कला, खानपान की संस्कृति को, वनधन को संवर्धन और संरक्षण के साथ व्यापक रूप से रोजगार और स्व रोजगार से जोड़ने की पहल करते हुए बढ़ावा देने जरूरत है। उन्होंने कहा कि इनोवेशन के माध्यम हम रोजगार देने वाले की भूमिका निभाएं, इस संकल्प के साथ निरंतर नवाचार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़े। कार्यक्रम में राज्यपाल ने इनोवेशन एण्ड स्टार्टअप कंपेडियम पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती को भी सम्मानित किया। इस मौके पर कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी सुन्दरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा और अन्य अधिकारियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञों के अलावा विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा मौजूद थे।

गांव-गांव पहुंचा प्रशासन, मौके पर ही मिल रही सुविधाएं महिला आयोग सदस्य दीपिका शोरी की रही उपस्थिति

सुकमा। सुशासन तिहार 2026 के तहत कोंटा विकासखंड के ढोंढरा और डब्बाकोंटा में सोमवार को ग्राम स्तरीय शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में प्रशासनिक टीम सीधे गांव पहुंची और ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही समाधान किया गया। शिविर में महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी, एसडीएम कोंटा सुभाष शुक्ला, तहसीलदार इरशाद अहमद, योगेंद्र पात्रे और जनपद सीईओ सुमित ध्रुव मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया। कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में आयोजित इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों को जन्म प्रमाण पत्र, किसान किताब, राशन कार्ड, जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र, श्रम कार्ड तथा आयुष्मान कार्ड मौके पर ही बनाकर वितरित किए गए। इससे ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है और योजनाओं का लाभ सीधे उनके गांव तक पहुंच रहा है। जिले में इस अभियान के तहत 317 ग्राम स्तरीय और 14 क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। लक्ष्य है कि हर गांव तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचे। शिविरों में 31 व्यक्तिगत और 14 सामुदायिक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, जॉब कार्ड, जन्म-मृत्यु-विवाह पंजीकरण जैसे कार्य मौके पर ही किए जा रहे हैं। साथ ही बिजली, ट्रांसफार्मर, हैंडपंप मरम्मत, मनरेगा भुगतान, पेंशन, उज्ज्वला योजना, आवास और शौचालय से जुड़े मामलों का भी तेजी से समाधान किया जा रहा है। पंचायत स्तर पर योजनाओं के हितग्राहियों की सूची सार्वजनिक की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़े और ग्रामीणों को योजनाओं की पूरी जानकारी मिल सके। सुशासन तिहार ने प्रशासन और ग्रामीणों के बीच की दूरी कम कर दी है, अब योजनाएं सीधे गांव के दरवाजे तक पहुंच रही हैं। दीपिका शोरी-शासन का लक्ष्य है कि गॉंव गॉंव और प्रत्येक ग्रामीणों तक शासन की योजनाएं पहुँचे,तथा अधिकारी एवं कर्मचारी संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं, जिम्मेदार विशेष रूप से यह सुनिश्चित करें कि शिविर में आने वाले किसी भी ग्रामीण को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रेत के अवैध उत्खनन पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ाई से रोक लगाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के उठाव के बाद शेष बचे हुए धान का भी उठाव संबंधी समस्या का निराकरण करने एवं राजस्व प्रकरणों को त्वरित निराकृत करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए उनके द्वारा इस आशय के निर्देश दिए गए। खरीफसीजन के लिए खाद का भंडारण सुनिश्चित करने, पौधरोपण के लिए अभी से तैयारी करने के लिए भी निर्देश दिए गए। बस्तर संभाग में संचालित बस्तर मुन्ने अभियान, सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार 2.0 को गंभीरता से लेते हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए भी कहा गया। शासकीय कार्यालयों को बिना अनुमति के बैंक खाता नहीं खोलने की हिदायत भी दी गई। खनिज न्यास निधि के अंतर्गत कराए गए विकास कार्यों में 'डीएमएफ मद से निर्माण' का उल्लेख करने एवं जनगणना कार्य को गंभीरता से लेने के लिए भी निर्देशित किया गया। बैठक में राजस्व मामलों के निराकरण, नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार इत्यादि के निराकरण की भी समीक्षा की गई। सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलें भेजने, बॉयोमेट्रिक अटेंडेन्स, आईगॉट कर्मयोगी में ऑनबोर्ड करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, सभी एसडीएम सहित जिला अधिकारी व जनपद एवं नगरीय निकायों के अधिकारीगण मौजूद थे।

सेवा के सफर को मिला सम्मान, सेवानिवृत पर सोनू राम नाग को भावभीनी विदाई

कोंडागांव। महिला एवं बाल विकास विभाग, कोंडागांव में पदस्थ वाहन चालक सोनू राम नाग के सेवानिवृत्त होने पर छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक/यांत्रिक कर्मचारी संघ, जिला कोंडागांव द्वारा गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला एवं प्रांतीय पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महामंत्री आर. के. नायर, जिला अध्यक्ष चमन लाल वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष आशीष कुमार मसीह, सह सचिव किशोर सेठिया, संगठन सचिव नरेंद्र कोमरे, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य आर. आर. पटेल, सदस्य शैलेंद्र नाग, ईश्वर देवांगन एवं जयसिंह मरापी सहित अन्य सदस्य शामिल हुए। सभी पदाधिकारियों ने सोनू राम नाग को श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके दीर्घ सेवाकाल की सराहना की और उनके स्वस्थ व सुखद भविष्य की कामना की। समारोह में उनके समर्पण और कार्यशैली को याद करते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता रैली व कार्यशाला आयोजित, मलेरिया उन्मूलन का लिया संकल्प

नारायणपुर। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला नारायणपुर में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम Driven to End MalariaÑ Now We Can, Now We Must के अनुरूप जिले में मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के तहत जिला स्तर पर कार्यशाला एवं जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ स्व. बद्रीनाथ बघेल जिला चिकित्सालय से हुआ, जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुराना बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक एवं सोनपुर मार्ग का भ्रमण कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में सम्पन्न हुई कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. टी.आर. कुंवर के मार्गदर्शन में सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार भोयर, डीपीएम राजीव सिंह बघेल एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. डी.के. कश्यप के सहयोग से कार्यक्रम का संचालन किया गया। वहीं व्हीबीडी सलाहकार डॉ. परमानंद बघेल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए मलेरिया उन्मूलन के लिए आवश्यक जानकारी साझा की। इस दौरान अधिकारियों ने वर्ष 2027 तक जिला नारायणपुर को मलेरिया मुक्त बनाने एवं 2030 तक छत्तीसगढ़ को मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य की जानकारी दी। साथ ही लाउडस्पीकर के माध्यम से आमजन को मलेरिया के लक्षण, रोकथाम एवं उपचार के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जनसामान्य को पाम्पलेट एवं फ्लैक्स के माध्यम से जानकारी दी गई। साथ ही मलेरिया रोधी दवा युक्त मच्छरदानियों के अधिक उपयोग तथा घरों की दीवारों पर कीटनाशक छिड़काव कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से जिले में मलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं इसके उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाने का संदेश दिया गया।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

कांकेर। जिला खेल परिसर खेल मैदान सिंगारभाट कांकेर में जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष अरूण कौशिक द्वारा किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 25 मई तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सिंगारभाट की सरपंच कौशिल्या नेताम भी उपस्थित रहीं। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य युवाओं और खिलाड़ियों को विभिन्न खेल गतिविधियों से जोड़ना तथा उनके शारीरिक, मानसिक और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। शिविर में फुटबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हैंडबॉल, कराते, खो-खो, वॉलीबॉल एवं क्रिकेट जैसे खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का समय प्रातः 06 बजे से 08 बजे तक तथा सायं 05 बजे से 07 बजे तक निर्धारित किया गया है। शिविर का आयोजन शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर के खेल मैदान एवं जिला खेल परिसर सिंगारभाट में किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक ने जिला प्रशासन के इस पहल की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस प्रशिक्षण शिविर में अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ने का आह्वान भी किया। ग्राम पंचायत की सरपंच कौशिल्या नेताम ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए खिलाड़ियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा खेलो इंडिया सेंटर के खिलाड़ियों को खेल किट तथा फुटबॉल खिलाड़ियों को फुटबॉल भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक, नोडल अधिकारी एवं लगभग 300 खिलाड़ी उपस्थित रहे।

डोंगरीगुड़ा में फूड पॉइजनिंग के मरीजों का शिविर लगाकर उपचार, स्थिति सामान्य

कोंडागांव। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोंडागांव के डोंगरीगुड़ा राउतपारा में सगई राम यादव के यहां आयोजित विवाह समारोह के तीसरे दिन सामूहिक भोज में शामिल कुछ लोगों के बीमार होने की सूचना 2 मई को प्राप्त हुई। प्रभावित लोगों में उल्टी एवं दस्त के लक्षण पाए गए। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की कॉम्बैक्ट टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी ने बताया कि उसी दिन स्कूल में अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाकर तथा घर-घर सर्वे कर कुल 46 लोगों का उपचार किया गया। इनमें से 20 लोगों को उल्टी एवं दस्त की शिकायत थी, जबकि 26 लोग अन्य सामान्य तकलीफों से ग्रसित पाए गए। गंभीर स्थिति वाले 2 मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जो अब स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। तीन नए मरीजों में दस्त के लक्षण पाए गए तथा एक बच्चे को उल्टी के लिए उपचार दिया गया। पूर्व के सभी मरीज अब स्वस्थ है। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह सामान्य है तथा एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य शिविर जारी रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

अलार्म चेन का दुरुपयोग-मंडल में 501 मामले दर्ज, रेल प्रशासन ने अपनाया सख्त रुख

बिलासपुर। यात्रियों की सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा प्रत्येक यात्री कोच में इमरजेंसी अलार्म चेन की सुविधा प्रदान करती है। यह सुविधा केवल गंभीर एवं वास्तविक आपात स्थिति में ट्रेन को रोककर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। परंतु कुछ यात्री इस सुविधा का दुरुपयोग करते हैं, जिससे न केवल ट्रेनों की समयबद्ध संचालन प्रभावित होती है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री सौरभ कुमार के नेतृत्व में मंडल की सुरक्षा और संचालन में व्यवधान को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों में अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए कई कठोर कदम उठाए हैं। जनवरी से अप्रैल 2026 तक के आँकड़ों के अनुसार मंडल द्वारा रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत अलार्म चेन के दुरुपयोग के कुल 501 मामले दर्ज कर न्यायालय के माध्यम से 01 लाख 92 हजार रूपये का जुर्माना वसुल किया गया है । उल्लेखनीय है कि रेल अधिनियम की धारा 141 के अनुसार, बिना उचित कारण अलार्म चेन खींचने पर एक वर्ष तक का कारावास, 1,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। रेल प्रशासन अपने सम्मानित यात्रियों से आग्रह करता है कि बिना उचित एवं पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उक्त कृत्य से रेल संचालन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कृपया इन पहलों का समर्थन करें और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

जनदर्शन में 103 आवेदनों पर हुई सुनवाई

कलेक्टर ने शिकायतों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

■ पीएम आवास राशि गबन, पेयजल संकट, अतिक्रमण, अवैध खनन और राजस्व मामलों पर प्रशासन ने दिखाई गंभीरता

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिलेभर से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से कुल 103 आवेदन विभिन्न विषयों से संबंधित प्राप्त हुए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे प्रत्येक आवेदक से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने कहा। जनदर्शन में राजस्व, आवास, पेयजल, अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों की अधिकता रही। जनदर्शन में पचपेड़ी तहसील के ग्राम बिनौरी निवासी बुजुर्ग श्री तुलसीराम कुर्रे ने प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृत राशि में गड़बड़ी की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नाम स्वीकृत 95 हजार रुपए की किस्त अन्य व्यक्ति के खाते में स्थानांतरित कर राशि का दुरुपयोग किया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को जांच कर राशि वापस दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बेलतरा तहसील के बैमा गांव के ग्रामीणों ने मुक्तिधाम से अतिक्रमण हटाने संबंधी तहसीलदार के आदेश का पालन नहीं होने की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान भूमि से कब्जा हटाने में बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं। कलेक्टर ने एसडीएम बिलासपुर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। तखतपुर क्षेत्र से भी कई आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम सिलतरा निवासी श्रीमती गुलाबा बाई साहू ने शौचालय निर्माण हेतु आर्थिक सहायता की मांग की, वहीं ग्राम चनाडोंगरी निवासी श्री राजेश कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मजदूरी भुगतान लंबित होने की शिकायत दर्ज कराई। दोनों मामलों में जिला पंचायत को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने कहा गया। मोछ गांव के ग्रामीणों ने सामूहिक आवेदन देकर कुम्हार तालाब में अवैध मशीनों से खुदाई कर मुरूम चोरी की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि इससे जनजीवन और जलस्रोत दोनों प्रभावित हो रहे हैं। कलेक्टर ने उप संचालक खनिज को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। रतनपुर तहसील के ग्राम पोंड़ के ग्रामीणों ने चारडबरी तालाब को एक निजी व्यक्ति के नाम पर दर्ज किए जाने और उनके द्वारा जलस्रोत को पाटे जाने की शिकायत की। कलेक्टर ने कोटा एसडीएम को जांच कर नामांतरण की वैधता परीक्षण करने तथा तालाब संरक्षण हेतु कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला पंचायत अध्यक्ष सूर्यवंशी ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। खरीफ सीजन से पहले किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, शासकीय योजनाओं एवं कृषि नवाचारों की जानकारी देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा संचालित "विकसित कृषि संकल्प अभियान-2026" का जिले में आज शुभारंभ किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी और कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, उप संचालक कृषि श्री पी.डी. हथेश्वर सहित अधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।यह अभियान 5 मई से 20 मई तक सुशासन शिविरों और जिले के सभी विकासखंडों और ग्रामों में संचालित होगा। अभियान के तहत किसानों को धान की उन्नत खेती पद्धतियों जैसे लाइन सॉइंग, डीएसआर और रिज-फरो पद्धति की जानकारी दी जाएगी। साथ ही दलहन, तिलहन, मक्का एवं लघु धान्य जैसी वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड और मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी योजनाओं से जोड़ने, ई केवाईसी एवं फार्मर आईडी बनाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। ड्रोन तकनीक, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग और पराली न जलाने के संबंध में भी जागरूकता दी जाएगी। जिले के प्रत्येक विकासखंड में गठित टीमें गांव-गांव पहुंचकर किसान संवाद, शिविर एवं समस्याओं के समाधान का कार्य करेंगी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने किसानों से अभियान का लाभ उठाकर आधुनिक खेती अपनाने की अपील की।

सुरभि गोधाम लाखासार में पशुओं के संरक्षण एवं प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था

बिलासपुर। जिले के लाखासार स्थित सुरभि गोधाम में संरक्षित पशुओं के देखभाल एवं प्रबंधन के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। फिलहाल 205 पशुओं को गोठान में संरक्षण मिला हुआ है। पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, पानी, आवास एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।पशुधन विकास विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग के माध्यम से व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जा रही है। गोधाम परिसर में लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में नेपियर घास एवं 1 एकड़ में सुडान चारा लगाया गया है, जिससे पशुओं के लिए हरे चारे की उपलब्धता बनी हुई है। इसके अलावा सूखा चारा, कुट्टी एवं पशु आहार का भी पर्याप्त भंडारण किया गया है। संयुक्त संचालक वेटेरिनरी के अनुसार गोठान में वर्तमान में संरक्षित पशुओं के लिए आवश्यकतानुसार चारा-पानी उपलब्ध है। पशुओं के सुरक्षित आवास हेतु गोठान में तीन शेड निर्मित हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लगभग 3740 वर्गफुट है। इन शेडों में पशुओं के ठहराव और सुरक्षा के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है। पशुओं के स्वास्थ्य एवं देखरेख के लिए गोठान में एक चरवाहा एवं एक निजी कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता की नियुक्ति की गई है। पशु चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान गोठान में संरक्षित पशु स्वस्थ पाए गए।पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के संयुक्त संचालक डॉक्टर जीएसएस तंवर ने बताया कि जिले में गौवंश संरक्षण एवं प्रबंधन को लेकर शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित गोठानों के माध्यम से पशु संरक्षण के साथ-साथ चारा विकास एवं बेहतर प्रबंधन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

सफलता की कहानी अब रास्ते आसान हुए: मौलेश्वरी की नई उड़ान

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम बिटकुली में आयोजित सुशासन तिहार का शिविर ग्रामवासियों के लिए उम्मीद और राहत लेकर आया। इस शिविर में आस पास की कई पंचायतें शामिल रहीं, यहाँ ग्रामीणों ने शासन की विभिन्न कल्याणमकारी योजनाओं का लाभ लिया । इन्ही ग्रामीणों में से एक थीं ग्राम नगोई की बिहान दीदी मौलेश्वरी पैकरा, जिनकी एक छोटी-सी आवश्यकता ने उनके जीवन को नई दिशा दे दी। मौलेश्वरी पैकरा स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार और गांव के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, लंबे समय से दुपहिया वाहन चलाने के लिए लाइसेंस बनवाना चाहती थीं। लेकिन दूर-दराज़ के क्षेत्र में रहने के कारण उन्हें इस सुविधा के लिए शहर तक जाना पड़ता, जो समय और संसाधनों की दृष्टि से कठिन था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर ने उनकी इस परेशानी को पलभर में दूर कर दिया। उन्होंने शिविर में आवेदन किया और प्रशासन की तत्परता से उन्हें तत्काल दुपहिया वाहन का लाइसेंस प्रदान किया गया। लाइसेंस मिलने के बाद मौलेश्वरी के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा, अब मुझे दुपहिया चलाने में कोई डर या परेशानी नहीं होगी। मैं अपने समूह के काम और अन्य जरूरी कार्य आसानी से कर पाऊंगी। मौलेश्वरी कहती है कि पास के गांव में ही यह सुविधा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के तहत जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित शिविरों में आम लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

सुदूर वनांचल गांव बिटकुली में ग्रामीणों की समस्याओं का किया गया समाधान..

■ शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण, योजनाओं का मिला लाभ मौके पर ही 206 आवेदनों का निराकरण

बिलासपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत कोटा ब्लॉक के बिटकुली में आज समाधान शिविर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी एवं श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। उन्होंने शिविर स्थल पर सभी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और विभागवार प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। आज शिविर में कुल 342 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 206 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्री निरंजन पैकरा, जनपद अध्यक्ष सूरज साधेलाल भारद्वाज, जनपद सदस्य श्री परमेश्वर खुसरो, श्रीमती कांति मरावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम श्री प्रवेश पैकरा, सीईओ युवराज सिन्हा सहित 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान हो रहा है। श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि शासन स्वयं आपके द्वार तक पहुंचकर आपकी समस्याओं का समाधान कर रही है। शिविर में हितग्राहियों को सामग्री वितरण कर लाभान्वित किया गया। श्री जूदेव ने कहा कि आपकी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। आप लोगों की समस्या को देखते हुए ही मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर सुशासन तिहार की शुरूआत की गई है। चिलचिलाती धूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित सभी मंत्री, विधायक, अधिकारीगण शिविर में शामिल होकर लोगों की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय गरीब और किसानों के दर्द को समझते हैं।

बिलासपुर रेलवे मंडल के स्टेशनों पर निशुल्क प्याऊ स्थापना को प्रोत्साहन

■ स्टेशन व ट्रेनों के यात्रियों को मिल रही है पर्याप्त एवं शीतल पेयजल सुविधा

बिलासपुर। ग्रीष्म ऋतु के दौरान रेल यात्रियों को पर्याप्त, स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर रेल मंडल द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंडल रेल प्रशासन ने एक सराहनीय पहल करते हुए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं वेलफेयर एसोसिएशनों के सहयोग से नि:शुल्क प्याऊ स्थापित किए जाने को प्रोत्साहित किया है। इस पहल के तहत मंडल के प्रमुख स्टेशनों—रायगढ़, सक्ती, शहडोल, बीरसिंहपुर, बुढ़ार, बिजुरी उमरिया एवं बेलपहाड़ —पर समाजसेवी संस्थाओं द्वारा प्याऊ संचालित किए जा रहे हैं। इन प्याऊ केंद्रों के माध्यम से प्लेटफार्म पर उपस्थित यात्रियों के साथ-साथ ट्रेनों के कोचों के समीप जाकर भी यात्रियों को नि:शुल्क शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे यात्रियों को भीषण गर्मी में बड़ी राहत मिल रही है। समाजसेवी संस्थाओं द्वारा ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही यात्रियों को पानी पिलाने एवं उनकी खाली बोतलों में शीतल जल भरने का कार्य भी सक्रिय रूप से किया जा रहा है। इस सेवा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मंडल से होकर गुजरने वाली किसी भी ट्रेन का कोई भी यात्री प्यासा न रहे। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों का इस प्रकार आगे आकर सहयोग करना अत्यंत प्रेरणादायक है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि मंडल रेल प्रशासन यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। गर्मी के मौसम में पेयजल की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय सहयोग हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को अधिकतम सुविधा सुनिश्चित की जा सके। रेल प्रशासन द्वारा ऐसे इच्छुक संस्थानों एवं व्यक्तियों को स्टेशन परिसरों में नि:शुल्क प्याऊ स्थापित करने हेतु त्वरित अनुमति प्रदान की जा रही है। इच्छुक व्यक्ति/संस्थान संबंधित स्टेशन के वाणिज्य निरीक्षक अथवा स्टेशन प्रबंधक से संपर्क कर इस पुनीत कार्य में सहभागी बन सकते हैं।

सुशासन तिहार के आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें :कलेक्टर अग्रवाल

लापरवाही पर तखतपुर सीएमओ को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त हो रहे आवेदनों एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजनों से प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं सार्थक निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित शिविरों की समीक्षा के दौरान तखतपुर में प्रचार-प्रसार में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। शिविरों की समुचित जानकारी आमजन तक नहीं पहुंचने से अपेक्षाकृत कम लोग लाभान्वित हो सके। इस पर कलेक्टर ने तखतपुर के सीएमओ अमरेश सिंह को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं नगरीय निकायों को निर्देशित किया कि शिविरों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए विभिन्न विकासखंडों में मौजूद 86 सूखे (डिफंक्ट) नलकूपों को रिचार्जिंग कार्य में उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन की दिशा में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाए। ई-डिस्ट्रिक्ट योजना के अंतर्गत लगभग 12 प्रतिशत आवेदनों के निरस्त होने पर कलेक्टर ने असंतोष जताया। उन्होंने लोकसेवा केंद्रों के ऑपरेटरों को चेतावनी देने तथा आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि आवेदनों की गुणवत्ता में सुधार हो सके और अनावश्यक निरस्तीकरण कम हो। महतारी वंदन योजना के तहत ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा में बताया गया कि 4 लाख 14 हजार पात्र महिलाओं में से अब तक 2 लाख 90 हजार हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है, जो लगभग 71 प्रतिशत है। कलेक्टर ने शेष कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एक वर्ष से अधिक पुराने एवं समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों का निराकरण अगले 3 से 4 दिनों में अनिवार्य रूप से करने के सख्त निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले में अभी भी 3 लाख 14 हजार पात्र हितग्राहियों के कार्ड बनाए जाना शेष है। कलेक्टर ने इसके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर अभियान मोड में कार्य करते हुए लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी

स्नान और शुद्ध मन से घर में की गई पूजा से अंतर्मन शुद्ध

स्नान और शुद्ध मन से घर में की गई पूजा हमारे शरीर के भीतर अंतर्मन की शुद्धि करती है. इसकी तुलना नदी के जल से की जा सकती है - जो शुद्ध और व्यक्तिगत होता है। कई बार लोगों के दिमाग में सवाल उमड़ता रहता है कि जब घर में पूजा कर ली है तो मंदिर जाने की क्या जरूरत है? इसको लेकर हर श्रद्धालु के पास ये उत्तर होता है कि भगवान हर जगह होता है। ऐसे में जानते हैं कि क्या वास्तव में घर पर पूजा करने और मंदिर जाने में अंतर है या दोनों ही जरूरी हैं? कई लोगों को लगता है कि अगर घर पर पूजा और जप करना ही काफी है, तो मंदिर क्यों जाना? पूजा के दोनों तरीकों का अपना-अपना महत्व है और आध्यात्मिक संतुष्टि के लिए ये एक-दूसरे के पूरक हैं। घर में की जाने वाली पूजा मुख्य रूप से हमारी व्यक्तिगत संतुष्टि और अंतर्मन की शुद्धि के लिए होती है। घरों में रखी मूर्तियां आमतौर पर शास्त्रों के अनुसार स्थापित या प्रतिष्ठित नहीं की जाती हैं। वे हमारी भक्ति का प्रतीक हैं और अंतर्मन की शुद्धि में सहायक होती हैं।

मंदिर होते हैं शक्ति के केंद्र

गुरुजी ने कहा कि इसके विपरीत मंदिर शक्ति के केंद्र होते हैं। यहां शास्त्रों के अनुसार, वैदिक मंत्रों के साथ मूर्तियों को भूमि में स्थापित किया जाता है और प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। मंदिरों में तीन दिनों की पूजा की जाती है, देवता विराजमान होते हैं और उनमें पंच तत्वों को नियंत्रित करने की शक्ति होती है। पुरोहित अपनी भक्ति से पत्थर को भी शंकर में परिवर्तित कर सकते हैं। ये पूजनीय स्थान हमारे शरीर के बाहरी अंगों, अर्थात् आंखों, कानों, नाक और हाथों को एक विशेष आभा प्रदान करते हैं। मंदिर की शक्ति दिव्य ऊर्जा को बढ़ाती है और जहां भी हम जाते हैं, सफलता दिलाती है। इसकी तुलना पुण्य की नदी से की जाती है – जो सार्वभौमिक शुद्धिकरण शक्ति है। उन्होंने कहा कि जब हम घर में उपासना करके अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं और उस शुद्ध शरीर और मन से मंदिर जाते हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति की नींव आस्था

हिंदू सनातन संस्कृति की नींव आस्था है। गुरुजी ने सलाह दी है कि ये दोनों ही पूजा विधियां हमारे आध्यात्मिक और सांसारिक जीवन की समृद्धि के लिए जरूरी हैं। घर पर पूजा और मंदिर दर्शन दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इन दोनों में से किसी एक को चुनने का कोई विकल्प नहीं है। मंदिर में प्राप्त होने वाली मन की शांति, जप, आहुति और तपस्या सभी के लिए लाभकारी है।

फिटनेस के लिए रोजाना एक्सरसाइज की जरूरत

फिट और हेल्दी रहने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। अक्सर लोगों के जेहन में सवाल आता है कि रोजाना कितने देर और कितने समय के लिए वर्कआउट करना चाहिए। क्या जिम या कार्डियो करना चाहिए। कुछ एक्सपर्ट का कहना है कि हेल्दी रहने के लिए रोजाना कम से कम 30 से 45 मिनट तक एक्सरसाइज करनी चाहिए। जानते हैं फिट रहने के लिए रोजाना कितनी देर एक्सरसाइज करनी चाहिए।

कार्डियो एक्सरसाइज क्या होती है

अक्सर कार्डियो का नाम सुनते हैं लोगों के जेहन में जिम की तस्वीर बन जाती है। कार्डियो एक्सरसाइज करने लिए जिम की जरूरत नहीं है इसे आप खुद भी कर सकते है। दरअसल कार्डियो एक्सरसाइज मे तेज चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना या रस्सी कूदना है। कार्डियो एक्सरसाइज करने से कैलोरी तेजी से बर्न होती है। अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो रोजाना कार्डियो कर सकते हैं।

जिम वर्कआउट

जिम में ज्यादातर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर फोकस किया जाता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से मांसपेशियां मजबूत होती है। जिम में जाकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है वही शरीर टोन होता है। अगर आप बॉडी टोन करना चाहते हैं तो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर ध्यान दें।

क्या है ज्यादा बेहतर

अच्छी फिटनेस के लिए दोनों ही एक्सरसाइज बेहद जरूरी है। बॉडी को फिट रखने के लिए आप कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी करनी चाहिए। आप हफ्ते में 3 दिन कार्डियो और 2 से 3 दिन वेट ट्रेनिंग कर सकते हैं। इससे बॉडी फिट रहेगी वही वजन भी कंट्रोल रहेगा।

स्ट्रेचिंग और योग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के अलावा योग पर भी ध्यान देना चाहिए। स्ट्रेचिंग और योग करने से शरीर लचीला रहता है। जो कि शरीर को चोट लगाने से बचाते है। फिट रहने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करना चाहिए। भले ही आप 20 मिनट एक्सरसाइज करें लेकिन रोज करें।

रोज पिएं एक गिलास बेल का शरबत

गर्मियों के मौसम में ठंडा-ठंडा बेल का शरबत न केवल स्वाद में बढ़िया लगता है बल्कि आपकी सेहत को सुधारने में भी कारगर साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बेल के शरबत की तासीर ठंडी होती है और यही वजह है कि गर्मियों के मौसम में इस ड्रिंक का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप हर रोज एक गिलास बेल का शरबत पीना शुरू कर देते हैं, तो आपको महज कुछ ही दिनों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लग जाएगा।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद- ठंडी तासीर वाला बेल का शरबत गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। ब्लोटिंग, कब्ज और एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए बेल के शरबत का सेवन किया जा सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आप भीषण गर्मी में लू से बचना चाहते हैं, तो आपको बेल के शरबत को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए।

गौर करने वाली बात- ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए खाली पेट बेल का शरबत पिया जा सकता है। डायरिया और दस्त में राहत पाने के लिए भी औषधीय गुणों से भरपूर बेल के शरबत का सेवन किया जा सकता है। सुबह-सुबह खाली पेट बेल का शरबत पीना, सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से बेल के शरबत का सेवन करना जरूरी है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम- *कमजोर इम्यूनिटी की वजह से अक्सर लोग बार-बार बीमार पड़ जाते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए यानी कमजोर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए बेल के शरबत का सेवन किया जा सकता है। इतना ही नहीं, शरीर को डिटॉक्सिफाई करने के लिए भी पोषक तत्वों से भरपूर बेल के शरबत को पीने की सलाह दी जाती है।*

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन सामान्य रहने वाला है। स्वास्थ्य तो ठीक रहेगा, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का सुनहरा अवसर मिल सकता है। व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में मित्रों से भरपूर मदद मिलेगी। पारिवारिक जीवन संतुलित रहेगा। सेहत अच्छी रहेगी, बस यात्रा के दौरान सतर्क रहें।

वृषभ राशि - आज का दिन व्यर्थ की भागदौड़ और मानसिक अशांति वाला हो सकता है। स्वास्थ्य में गिरावट आने से आप शारीरिक रूप से परेशान महसूस कर सकते हैं। व्यापारिक निर्णयों में सावधानी बरतें। व्यापार में कोई बड़ा अवसर हाथ से निकल जाने की आशंका है। धन के मामले में दिन मध्यम रहेगा। परिवार में किसी प्रियजन से जुड़ा दुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, गिरावट की संभावना है।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। पुराने कर्ज की समस्या सुलझने से मानसिक शांति मिलेगी। आप किसी नए कार्य की शुरुआत करने का मन बना सकते हैं। व्यवसाय में आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी। कर्ज से मुक्ति मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्य का योग बन सकता है।

कर्क राशि - आज का दिन बहुत अच्छा बीतने वाला है। लंबे समय से अटके हुए कार्यों में आपको सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में साझेदारी (Partnership) से विशेष लाभ होने की उम्मीद है। आय के नए स्रोत उत्पन्न होंगे, जिससे करियर को नई दिशा मिलेगी। साझेदारी के कामों से धन लाभ के प्रबल योग हैं। परिवार में किसी नए सदस्य का आगमन हो सकता है, खुशियाँ बढ़ेंगी। स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक रहेगा।

सिंह राशि - आज आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यर्थ के विवादों से दूर रहें, अन्यथा झूठे आरोप लग सकते हैं। व्यापार में फिलहाल किसी भी तरह का बदलाव करने से बचें। व्यवसाय में यथास्थिति बनाए रखें, परिवर्तन हानिकारक हो सकता है। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। परिवार में मतभेद उत्पन्न होने की आशंका है, संयम रखें। शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है और अपनों की चिंता बनी रहेगी।

कन्या राशि - आज किसी करीबी व्यक्ति या रिश्तेदार के व्यवहार से आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। व्यवसाय में अपने साझीदार (Partner) पर आँख मूँदकर भरोसा न करें, विश्वासघात की संभावना है। साझीदार से धोखा खाने की संभावना है, चौकन्ने रहें। आर्थिक लेन-देन में सतर्कता बरतें। रिश्तेदारों के साथ बड़ा विवाद होने की आशंका है। सेहत में गिरावट आ सकती है, वाहन चलाते समय बहुत सतर्क रहें।

तुला राशि-आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होने से मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे और नए कार्य शुरू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ संबंध और भी मधुर होंगे। स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

वृश्चिक राशि – आज का दिन आपके लिए सफलताओं की सौगात लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की सराहना होगी। जो लोग नई नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें आज बड़ी सफलता मिल सकती है। करियर में उन्नति होगी, नई नौकरी के अवसर प्राप्त होंगे। नया वाहन या मकान खरीदने के योग बन रहे हैं। माता-पिता के साथ संबंधों में सुधार होगा। स्वयं और माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

धनु राशि- आज का दिन कुछ प्रतिकूल रह सकता है। स्वास्थ्य और पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रहेगा। सहयोगियों की लापरवाही से व्यापार में कोई बड़ा अवसर या कार्य आपके हाथ से निकल सकता है। व्यापार में घाटा होने की आशंका है, महत्वपूर्ण कार्यों पर खुद ध्यान दें। आर्थिक हानि से बचने के लिए सतर्क रहें। पारिवारिक कलह के कारण तनाव बढ़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के प्रति सचेत रहें, वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मकर राशि - आज का दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। किसी प्रियजन से अप्रिय समाचार मिलने से मन दुखी हो सकता है। लंबी यात्रा पर निकलने से पहले अपने वाहन की अच्छी तरह जाँच-परख कर लें। व्यापार में हानि की संभावना है, विशेष सावधानी बरतें। निवेश और खर्चों के प्रति सतर्क रहें। किसी से भी वाद-विवाद या झगड़े में न पड़ें। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, लापरवाही न करें।

कुंभ राशि- व्यापार में लाभ होगा और नए कार्यों की शुरुआत के लिए समय शुभ है। मित्रों और संबंधियों से समय पर आर्थिक मदद मिल सकती है। धार्मिक यात्रा पर जाने के योग हैं, अपनों का साथ मिलेगा। मानसिक और शारीरिक रूप से फिट महसूस करेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। किसी विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। माता-पिता के सहयोग से आप किसी बड़ी परियोजना या कार्य की रूपरेखा तैयार कर सकते हैं। नया कार्य शुरू करने के लिए दिन बहुत अनुकूल है। नया मकान या वाहन खरीदने के प्रबल योग बन रहे हैं। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और मन में उत्साह बना रहेगा।

परफेक्ट मेकअप के लिए जरूरी है सही फाउंडेशन

मेकअप को खूबसूरत और नैचुरल दिखाने के लिए फाउंडेशन सबसे अहम स्टेप माना जाता है। यह न सिर्फ चेहरे के दाग-धब्बों को छुपाता है, बल्कि स्किन टोन को एकसमान बनाकर स्मूद और ग्लोइंग लुक देता है। लेकिन कई बार लोग बिना सोचे-समझे कोई भी फाउंडेशन चुन लेते हैं, जिससे पूरा मेकअप बिगड़ सकता है। गलत शेड लगाने से चेहरा या तो फीका और बेजान लगने लगता है या फिर जरूरत से ज्यादा चमकदार नजर आता है। ऐसे में जरूरी है कि फाउंडेशन चुनते समय अपनी स्किन टोन और अंडरटोन को समझा जाए। सही फाउंडेशन न सिर्फ आपके चेहरे की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आपका लुक हर मौके पर परफेक्ट नजर आता है।

पहले पहचानें अपनी स्किन का अंडरटोन

सही फाउंडेशन चुनने के लिए अपनी स्किन का अंडरटोन जानना जरूरी है। अंडरटोन तीन तरह के होते हैं—वॉर्म, कूल और न्यूट्रल। यह आपकी स्किन के नीचे छिपे रंग को दर्शाता है और सही शेड चुनने में मदद करता है।

नसों से समझें अपना टोन

अंडरटोन पहचानने का आसान तरीका है अपनी कलाई की नसों को देखना। अगर नसें हरी दिखें तो वॉर्म टोन, नीली या बैंगनी दिखें तो कूल टोन और अगर दोनों का मिक्स लगे तो आपका टोन न्यूट्रल हो सकता है।

स्किन टाइप भी है उतना ही जरूरी

सिर्फ शेड ही नहीं, स्किन टाइप का ध्यान रखना भी जरूरी है। ऑयली, ड्राई या कॉम्बिनेशन स्किन के हिसाब से फाउंडेशन चुनें, तभी यह लंबे समय तक टिकेगा और नेचुरल लगेगा।

व्हीटिश और वॉर्म स्किन के लिए सही चॉइस

अगर आपकी स्किन व्हीटिश या वॉर्म टोन की है, तो मैट या लिक्विड फाउंडेशन बेहतर रहता है। जरूरत पड़ने पर दो शेड्स को मिलाकर भी परफेक्ट मैच पाया जा सकता है।

फेयर स्किन वालों के लिए टिप्स

फेयर स्किन के लिए बेज टोन वाला फाउंडेशन अच्छा रहता है। इसे खरीदने से पहले गर्दन या जॉलाइन पर लगाकर जरूर चेक करें, ताकि शेड आपकी स्किन से पूरी तरह मेल खा सके।

फूड पॉइजनिंग होने पर तुरंत क्या करें

गर्मी में फूड पॉइजनिंग के मामले काफी बढ़ जाते हैं। खाना जल्दी खराब हो जाता है, जिसे खाने से पेट खराब, उल्टी, दस्त और फूड पॉइजनिंग हो जाती है। पानी की कमी और लू लगने से भी ऐसी परेशानियां हो सकती है। कई बार किसी खास चीज को खाने से भी तेजी से पेट में रिएक्शन होने लगता है। गलत फूड कॉम्बिनेशन भी फूड पॉइजनिंग का कारण बनता है।

ज्यादातर लोग फूड पॉइजनिंग होने पर डॉक्टर के पास न जाकर खुद ही अपना इलाज करने लगते हैं, जो गलत है। आइये डॉक्टर जानते हैं स्पेशलिटी हॉस्पिटल से कि अगर फूड पॉइजनिंग होने पर क्या करें, क्या खाएं और किन चीजों से परहेज करें।

शरीर को हाइड्रेट रखें- फूड पॉइजनिंग होने पर शरीर में पानी की कमी होने लगती है। इलेक्ट्रोलाइट्स इंबैलेंस हो जाते हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि शरीर को डिहाइड्रेट न होने दें। बार-बार ORS, नारियल पानी, या सादा पानी लें। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकिन बार-बार लिक्विड पीएं।

हल्का खाना खाएं- ऐसी स्थिति में गट हेल्थ बुरी तरह प्रभावित होती है। कुछ भी पचाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हल्का और आसानी से पचने वाला खाना खाएं। खाने में खिचड़ी, दही-चावल, केला खाएं।

इन चीजों से परहेज करें- अगर फूड पॉइजनिंग हो रही है तो बाहर का खाना भूलकर भी न खाएं। ज्यादा ऑयली, मसालेदार और पैकेट बंद खाना बिल्कुल भी न खाएं। दूध और डेयरी शुरुआत में न खाएं। इसके अलावा जूस, कोल्ड ड्रिंक्स, भारी और तला-भुना खाने से दूर रहें।

दवा कब लें- अगर उल्टी या दस्त ज्यादा हो तो डॉक्टर से सलाह लेकर दवा लें। इसके साथ ही हाई फीवर है और खून के साथ दस्त हो रहे हैं तो डॉक्टर को दिखाएं। अगर बुजुर्ग, बच्चे या प्रेग्नेंट महिला को फूड पॉइजनिंग हुई है तो इसे गंभीरता से लें। बिना देरी किए डॉक्टर को दिखाएं।

संस्कार और शिक्षा का अनोखा समन्वय

मुंबई स्थित श्री चंद्रप्रभ स्वामी जैन देरासर में रविवार को श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित धार्मिक परीक्षा का परिणाम भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में घोषित किया गया। यह कार्यक्रम पूज्य आचार्य श्री लब्धिचंद्र सूरीश्वरजी महाराज के आशीर्वाद तथा मुनिराज श्री सर्वेशचंद्र सागरजी महाराज और मुनिराज श्री मंत्रेश सागरजी महाराज की पावन निश्रा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुंबई श्री धार्मिक शिक्षण संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी धार्मिक परीक्षा में 27,000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कक्षा 1 से 36 तक के सभी विद्यार्थियों के परिणामों की आधिकारिक घोषणा की गई। प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम विशेष गौरव के साथ घोषित किए गए, जिससे उपस्थित सभी लोगों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। आधुनिक युग के अनुरूप तकनीक का उपयोग करते हुए संघ द्वारा सभी पाठशालाओं के शिक्षक-शिक्षिकाओं के WhatsApp नंबर पर परिणाम की PDF फाइल तुरंत भेजी गई, जिससे परिणाम की जानकारी तेजी से सभी तक पहुंच सकी। परीक्षा में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस प्रकार की परीक्षाएं बच्चों में केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कारों का भी विकास करती है। कार्यक्रम के सुचारु और व्यवस्थित आयोजन के लिए ट्रस्टियों के योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम का भावुक क्षण तब आया जब संघ के सदस्य और 81 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण करने वाले भावी दीक्षार्थी श्री महेंद्रभाई मोहनलाल शाह का भावपूर्ण शब्दों में सम्मान किया गया। उनका जीवन सभी उपस्थित लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। उपाध्यक्ष श्री संजयभाई जीवनलाल शाह ने अपने संबोधन में जैन धर्म के मूल सिद्धांतों — अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद — के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जैन धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक पद्धति है। आज के समय में बच्चों को धर्म का ज्ञान देना संस्था की पहली प्राथमिकता है। यदि बच्चों में धार्मिक संस्कार होंगे, तो उनका समग्र विकास निश्चित रूप से होगा। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों के जीवन निर्माण के लिए पाठशाला जहां संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है। ट्रस्टी श्री अशोक नरसिंह चरला ने भी पाठशाला के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि श्रुतज्ञान और संस्कारों का सही संवर्धन पाठशाला के माध्यम से ही संभव है। महिला विभाग की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्पाबेन संजयभाई शाह ने कहा कि बच्चों में संस्कारों का विकास करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है, जिसकी शुरुआत पाठशाला से ही होती है। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री जवाहर मोतीलाल शाह, उपाध्यक्ष श्री संजयभाई जीवनलाल शाह, ट्रस्टी श्री अशोक नरसिंह चरला, मंत्री श्री किरीटभाई फोफाणी, महिला विभाग की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्पाबेन संजयभाई शाह तथा समिति सदस्य श्री केतनभाई मेहता, जयेशभाई, लक्ष्मीशिल्पाबेन, संजयभाई शाह, विलास शाह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने संस्था के कार्यों की सराहना की।

दुर्ग-भिलाई में मंगलवार की दोपहर अधिकतम तापमान लगभग 38 से 41डिग्री सेल्सियस के बीच रहा तेज़ धूप और गर्मी से जनजीवन प्रभावित था.शाम को अचानक मौसम में परिवर्तन हुआ. देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और तेज अंधड़ के साथ बिजली चमकने लगी और हवा में हलकी नमी आने से पुरे दिन जो गर्म हवा के थपेड़ों से झुलस रहे जनजीवन ने राहत की साँस ली.

फोटो : नाहीद शेख

पाटन को मिला करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया 995.86 लाख रुपये के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

विकसित कृषि संकल्प अभियान की प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दुर्ग। जिले के नगर पंचायत पाटन में सुशासन तिहार-2026 अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उपमुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए। उन्होंने यहां पर क्षेत्र के विकास को नई गति देने 09 करोड़ 95 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। जिसमें 508.40 लाख रूपये की लागत के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 487.46 लाख रूपये की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस गरिमामय कार्यक्रम के माध्यम से पाटन की अधोसंरचना को नई मजबूती प्रदान की गई। इस ऐतिहासिक अवसर में सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। इस दौरान नगर पंचायत पाटन के जनप्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव को गजमाला पहनाकर स्वागत किया।

विकास कार्यों के लोकार्पण के पहले उपमुख्यमंत्री श्री साव ने विकसित कृषि संकल्प अभियान की प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो 20 मई तक गांव-गांव में जाकर कृषि संबंधित नई तकनीक एवं सरकारी की योजनाओं की जानकारी देगा और किसानों के साथ सीधा संवाद करेगा। उन्होंने शिविर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को शिकायत एवं मांगों संबंधी आवेदनों का तत्परतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि एक ही दिन में इतने बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का लोकार्पण पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने पिछले वर्षों की तुलना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने कम समय में अधिक कार्य किए हैं। बीते दो वर्षों में नगर पंचायत पाटन को विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 23 करोड़ 87 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है, जिससे शहर के विकास को नई गति मिली है। सड़कों, स्वच्छता, आवास और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार की विभिन्न

योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 27 महीनों की राशि के भुगतान के साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को साझा किया। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि राज्य सरकार तेज गति से योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है और गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान कर रही है।

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने स्वच्छता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में सात निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला था, जिसमें पाटन को भी सम्मानित किया गया था और बिल्हा विकासखंड पहले नम्बर था। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश स्वच्छ और सुंदर बने इसके लिए राज्य सरकार योजनाबद्ध कार्य कर रही है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहयोग दें, क्योंकि बाहरी लोग सबसे पहले शहर की स्वच्छता और व्यवस्था को ही देखते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी गांव और शहर में प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। दो सालों में 26 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुई है। सर्वाधिक आवास छत्तीसगढ़ में बन रहे हैं। इस अवसर पर नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि की मांग करने पर उन्हें आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री साव ने 487.46 लाख रुपये की कुल लागत से तैयार हो चुके जनहितकारी कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इसमें वार्ड क्रमांक 01 स्थित इंदिरानगर स्कूल में 70 लाख रुपये की लागत से बने अतिरिक्त कक्षों का उद्घाटन शामिल रहा। साथ ही वार्ड क्रमांक 03 में 240.16 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित व्यावसायिक परिसर सह सामुदायिक भवन और वार्ड क्रमांक 12 में महामाया मोंदर के समीप 177.30 लाख रुपये की लागत से तैयार सामुदायिक भवन का भी भव्य लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उपमुख्यमंत्री श्री साव ने पाटन के विभिन्न वार्डों में 508.40 लाख रुपये की स्वीकृत राशि के नए कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके अंतर्गत 195.89 लाख रुपये की लागत के विभिन्न 44 निर्माण एवं विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। शहर के जल निकायों के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए इनके सौंदर्यीकरण व विकास हेतु वार्ड 01 के दुबे डबरी के लिए 50.47 लाख, वार्ड 07 के सरगबुंदिया तालाब के लिए 42.50 लाख, वार्ड 08 के बुद्धु तालाब के लिए 81.16 लाख और वार्ड 12 के महामाया तालाब के लिए 97.53 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इसके अतिरिक्त, वार्ड 05 में मुक्तिधाम निर्माण हेतु 22.87 लाख व डेम शेड कार्य हेतु 10 लाख तथा वार्ड 02 में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 7.98 लाख के कार्यों की भी नींव रखी गई।

इस अवसर पर नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी, सभापति लो.नि.वि. केवलचंद देवांगन, सांसद प्रतिनिधि सागर पाठक, पीआईसी सदस्य जितेन्द्र कुमार निर्मलकर, नेहा बाबा वर्मा, पार्षदगण चन्द्रप्रकाश देवांगन, पुरूषोत्तम कश्यप, अनिता सरजू साहू, उप अभियंता प्रवीण कुमार साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर, श्रम कानूनों की दी गई जानकारी

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के स्टेट प्लान ऑफएक्शन कैलेंडर 2026-27 के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के मार्गदर्शन में नवीन निर्माणाधीन जिला एवं सत्र न्यायालय भवन बेमेतरा में कार्यरत श्रमिकों के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव स्वर्णलता ओम यादव द्वारा श्रमिकों को श्रम कानूनों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 01 मई को श्रमिकों के सम्मान के लिए यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भवन, सड़क और अन्य निर्माण कार्यों में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और उनके बिना कोई भी निर्माण संभव नहीं है। श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति

जागरूक करते हुए बताया गया कि देश की उन्नति, समृद्धि और खुशहाली में उनका अहम योगदान है। इस अवसर पर श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों द्वारा नवीन निर्माणाधीन कृषि महाविद्यालय बेमेतरा, बी.टी.आई. रोड, ग्राम मोहभट्ठा एवं ग्राम निनवा में भी विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर श्रम कानूनों की जानकारी दी गई। शिविर में बताया गया कि श्रमिकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से इस दिवस का आयोजन किया जाता है। अधिकार मित्रों ने यह भी जानकारी दी कि किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा या तहसील स्तर पर तालुका विधिक सेवा समिति से संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त की जा सकती है।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 18 प्रकरण में 6,200 रूपये समन शुल्क, 04 प्रकरण न्यायालय में पेश

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी कौशिल्या साहू, डीएसपी शशीकला उईके के मार्गदर्शन में समस्त थाना/चौकी व यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 02 मई 2026 को चौकी मारो 05 चालान में 05 वाहन चालको, चौकी कंडरका 03 चालान

में 03 वाहन चालको, चौकी संबलपुर 05 चालान में 05 वाहन चालको, यातायात बेमेतरा 09 चालान में 09 वाहन चालको, कुल 22 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें 04 प्रकरण न्यायालय पेश एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले जैसे तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, माल वाहक में सवारी बैठाना, तेज गति, घातक तरीके से वाहन खडी करना, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना लायसेंस वाहन चालको के विरूद्ध 18 प्रकरण में 6,200/- रूपये समन शुल्क लिया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि मोहन साहू, रघुवीर सिंह सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे। इसी क्रम में सशक्त ऐप के माध्यम से गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान हेतु वाहन चेकिंग की जा रही है। जिले के विभिन्न थाना/चौकी एवं यातायात स्टाफ के द्वारा 02 मई 2026 को सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से चौक-चौराहो में वाहन चेकिंग कर व पेट्रोलिंग के दौरान सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से यातायात बेमेतरा में 60 वाहनों की चेकिंग की गई। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा ओमनी वर्मा सम्मानित

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम कन्या विद्यालय बेमेतरा की 12वीं की छात्रा ओमनी वर्मा द्वारा राज्य प्रवीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त करने की जानकारी जैसे ही प्राप्त हुई कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने ओमनी वर्मा को आमंत्रित कर सम्मानित की एवं उनसे सामान्य जानकारी लेने के साथ ही आगे अध्ययन में कोई समस्या होने पर मदद का भी आश्वासन दी। जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी ने भी ओमनी वर्मा की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सम्मानित किया एवं प्राचार्य, शाला परिवार व माता पिता को बधाई दिए। इस अवसर पर प्राचार्य कविता बाचपेयी, व्याख्याता डीआर साहू, प्रमोद ठाकुर, कौशल वर्मा, विद्यावती कोल्हे, छात्रा के पिता कामोद वर्मा, माता उत्तरा वर्मा आदि उपस्थित थे।

भिलाई: नेहरू नगर की पॉश कॉलोनी में बड़ी सेंधमारी

शादी के लिए लॉकर से निकाले 50 लाख के जेवर पार

भिलाई, 5 मई। औद्योगिक नगरी भिलाई के नेहरू नगर पश्चिम इलाके में सोमवार को चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए करीब 45 से 50 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और डेढ़ लाख रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने इस बड़ी घटना को अंजाम दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, नेहरू नगर निवासी और जाने-माने व्यवसायी विनय अग्रवाल (स्क्रैप एवं धर्मकांटा संचालक) सोमवार सपरिवार आम्रपाली सोसाइटी में एक पारिवारिक शादी में शामिल होने गए थे। रात करीब 2 बजे जब परिवार वापस लौटा, तो घर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। घर का मुख्य दरवाजा खुला था और अंदर अलमारियां टूटी हुई थीं। जांच करने पर पता चला कि घर में रखे करीब 1.40 लाख रुपये कैश और बैंक लॉकर से शादी के लिए निकालकर लाए गए लगभग 50 लाख रुपये के जेवर गायब थे।

रेकी की आशंका- पुलिस महकमे में हड़कंप इतनी बड़ी चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एसएसपी विजय अग्रवाल, सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, क्राइम डीएसपी यदुमणि सिदार सहित सुपेला थाना प्रभारी और स्मृति नगर चौकी प्रभारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस का मानना है कि चोरों को परिवार के बाहर जाने और घर में भारी मात्रा में जेवर होने की सटीक जानकारी थी, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि वारदात से पहले घर की रेकी की गई थी।जांच में जुटी टीमें घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स ने साक्ष्य जुटाए हैं। सुपेला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। शहर के बीचों-बीच एक पॉश कॉलोनी में हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com